मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 74
बुधवार, 23 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर मतभेद की शुरूआत मुकदमेबाजी से नहीं होनी चाहिएः सीतारमण

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कंपनियों से हर मतभेद को अदालत में ले जाने से बचने और कंपनी संचालन व्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान देने का आग्रह किया। सीतारमण ने यहां एआईएमए (ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन) के एक कार्यक्रम में कहा कि अच्छा कंपनी संचालन केवल बाहरी नियमों को अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन मानकों पर भी निर्भर करता है जिन्हें संस्थान खुद के लिए तय करते हैं। सीतारमण ने कहा कि कारोबार क्षेत्रों के बीच भरोसा मांगा नहीं जा सकता, बल्कि दोनों पक्षों के आचरण से उसे बनाया जाता है।

उन्होंने कहा, "कंपनियों को सरकार और नियामकों के साथ रचनात्मक तरीके से बातचीत करनी चाहिए। कानूनी रास्ता हमेशा उपलब्ध रहेगा, लेकिन हर असहमति की शुरूआत कानूनी विवाद से नहीं होनी चाहिए। मतभेद विवाद का रूप लें, इससे पहले तथ्यों को सामने रखकर, परामर्श प्रक्रिया में गंभीरता से भाग लेकर और समाधान की दिशा में काम करके शुरूआती स्तर पर बातचीत करना काफी महत्वपूर्ण है।" सीतारमण ने कहा कि इसके साथ ही कंपनियों को अपने कामकाज में निश्चितता, पारदर्शिता और दूसरों की बात सुनने की इच्छा दिखानी चाहिए। एक परिपक्व अर्थव्यवस्था में असहमति को तुरंत टकराव में बदले बिना उससे निपटने की क्षमता होनी चाहिए। वित्त मंत्री ने भारतीय उद्योग जगत से केवल कारोबार का विस्तार करने के बजाय मजबूत, टिकाऊ और बेहतर संचालन वाली कंपनियां बनाने पर ध्यान देने को कहा।

उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उद्योग को इस दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग को ऐसे संस्थान और कंपनियां बनानी चाहिए, जिनमें बड़े

पैमाने के साथ टिकाऊपन, बेहतर गुणवत्ता, अच्छा संचालन और मजबूत प्रौद्योगिकी क्षमता हो। सीतारमण ने कहा, "भारत के पास आज बड़े बाजार का आकार, उद्यमिता का उत्साह और संस्थागत क्षमता है, जिससे वह कहीं अधिक ऊंचे लक्ष्य तय कर सकता है। इन क्षमताओं को देश की दीर्घकालिक क्षमता में कितनी सफलता से बदला जाता है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि योजनाओं और कार्यों को कितनी प्रभावी ढंग से अमल में लाया जाता है।" उन्होंने कहा कि देश के विकसित भारत की ओर बढ़ने के साथ आज बनाए जा रहे उद्यमों और संस्थानों की गुणवत्ता से भारतीय प्रबंधन के योगदान को आंका जाएगा।

वित्त मंत्री ने उद्योग जगत से ऐसी कंपनियां बनाने पर ध्यान देने को कहा जो केवल बड़ी न हों, बल्कि प्रतिस्पर्धी, नवोन्मेषी, भरोसेमंद और मजबूत भी हों, ताकि आने वाले दशकों में भारत की आर्थिक वृद्धि में योगदान दे सकें। उन्होंने देश की वृद्धि के अगले चरण में गुणवत्ता को प्राथमिकता देने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि कंपनियों को अनुसंधान एवं विकास पर अधिक खर्च करना चाहिए। इसके लिए वे अपने स्तर पर अनुसंधान करने के साथ शैक्षणिक संस्थानों के साथ भी सहयोग कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इससे नवोन्मेष को बढ़ावा देने और मौजूदा उत्पादों में सुधार करने में मदद मिलेगी। साथ ही, अनुसंधान एवं विकास पर अधिक खर्च का परिणाम भारत में और भारत से अधिक बौद्धिक संपदा के सृजन के रूप में भी सामने आना चाहिए। सीतारमण ने कहा, हमारा लक्ष्य 'भारत में विनिर्मित' से आगे बढ़कर 'भारत में विकसित' उत्पादों का होना चाहिए। ऐसे उत्पाद जो केवल यहां बनाए न जाएं, बल्कि उनकी कल्पना, डिजाइन और तकनीकी विकास भी यहीं हो तथा उन्हें दुनिया के बाजारों तक पहुंचाया जाए।

उन्होंने कहा कि भारत का सकल अनुसंधान एवं विकास व्यय जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 0.83 प्रतिशत है। यह आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के औसत 2.7 प्रतिशत, चीन के 2.6 प्रतिशत और अमेरिका के 3.5 प्रतिशत से काफी कम है। यह निजी क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की लगातार बनी कमी को दशार्ता है। भारत में घरेलू निजी क्षेत्र का योगदान केवल 36 प्रतिशत है, जबकि प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में यह 70 प्रतिशत से अधिक है।

पवन खेड़ा ने महिला सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मंगलवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की आलोचना की। यह आलोचना कालकाजी मंदिर के पास एक नाबालिग के साथ कथित गैंगरेप की घटना को लेकर की गई। उन्होंने कहा कि अगर देश की राजधानी में ही महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो महिला मुख्यमंत्री होने का क्या मतलब है? एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने कार्यकाल के अंत तक शहर को नर्क के नौवें घेरे (सबसे भयानक हिस्से) में बदल देंगी। खेड़ा ने कहा, सितंबर में राजधानी में नाबालिग के साथ रेप की यह तीसरी घटना है। क्या यह दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के लिए गर्व का पल है? कालकाजी मंदिर में पूजा करने के बाद एक 17 साल की लड़की के साथ एक पब्लिक पार्क में रेप किया गया - और यह रेप पुलिस अधिकारी

बनकर आए तीन लोगों ने किया। हर दिन हम और नीचे गिर रहे हैं। इसी रफ्तार से अगर चलता रहा, तो अपने कार्यकाल के अंत तक रेखा गुप्ता दिल्ली को दांते के नर्क के नौवें घेरे तक पहुंचा देंगी। अगर उनके शहर में महिलाएं सुरक्षा और सम्मान की उम्मीद भी नहीं कर सकतीं, तो महिला मुख्यमंत्री होने का क्या मतलब है? अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली पुलिस ने कालकाजी मंदिर के पास एक नाबालिग के साथ कथित गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हेमंत और मुकेश के तौर पर हुई है। पुलिस ने कुछ देर चली गोलीबारी के बाद इनमें से एक आरोपी को पकड़ा था, जिसके कुछ घंटों बाद इन दोनों को गिरफ्तार किया गया; बाकी दो आरोपी तब से फरार थे। पुलिस के मुताबिक, यह घटना सोमवार शाम दक्षिण-पूर्व दिल्ली में कालकाजी मंदिर के पास हुई थी। 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस' (POCSO) एक्ट और कानून की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने बताया था कि तीन लोगों ने पुलिसकर्मी बनकर नाबालिग और उसकी सहेली से संपर्क किया था। आरोपियों ने दोनों को धमकाया और फिर नाबालिग को कालकाजी मंदिर के पास एक पार्क में सुनसान जगह पर ले गए, जहाँ उसके साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया।

निर्वाचन आयोग ने यूपी, बंगाल और उत्तराखंड की 12 राज्यसभा सीटों पर चुनाव घोषित किए

नई दिल्ली, 22 सितम्बर। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की राज्यसभा की 12 सीटों के लिए चुनाव की घोषणा की, जिसमें सबसे दिलचस्प मुकाबला उत्तर प्रदेश में होने के आसार हैं जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी 10 में से आठ सीटें बरकरार रख सकती है तथा समाजवादी पार्टी को एक सीट का फायदा मिल सकता है। इन 12 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को चुनाव होगा। भाजपा की राज्यसभा में कुल संख्या में एक सीट का इजाफा होने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल की एकमात्र सीट भाजपा के खाते में जाने की संभावना है। यह सीट अभिनेत्री रुक्मिणी मलिक के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई थी। कोयल के नाम से मशहूर रुक्मिणी को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने राज्यसभा भेजा था, लेकिन इस साल की शुरूआत में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी के सत्ता से बाहर होने के बाद उन्होंने सदन से इस्तीफा दे दिया था।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा में मौजूदा दलगत स्थिति के आधार पर भाजपा नीत गठबंधन के आठ सीटें बरकरार रखने की संभावना है, जबकि सपा की संख्या बढ़कर दो होने की संभावना है। इस चुनाव के बाद मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का संसद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। पार्टी का लोकसभा में कोई सदस्य नहीं है और अगस्त में अपने एकमात्र उत्तर प्रदेश विधायक उमाशंकर सिंह के निधन के बाद उसने विधानसभा में भी अपना एकमात्र सदस्य खो दिया।

बसपा के एकमात्र राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम का कार्यकाल नवंबर में समाप्त हो रहा है। गौतम के अलावा उत्तर प्रदेश से जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता अरुण सिंह, गीता शाक्य, नीरज शेखर, बृजलाल, बी.एल. वर्मा और सीमा द्विवेदी तथा सपा महासचिव राम गोपाल यादव शामिल हैं। पुरी का केंद्रीय मंत्रिमंडल में बने रहना इस बात पर निर्भर करेगा कि भाजपा उन्हें एक और कार्यकाल के लिए फिर से नामित करती है या नहीं।

उत्तर प्रदेश की दसवीं रिक्त होने वाली सीट पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा के पास थी। इस सीट के लिए रिक्ति इसी महीने की शुरूआत में हुई, जब अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के उपराज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था।

एशियन गेम्सः स्वर्ण पदक का खाता खुला, भारतीय बेटियों ने क्रिकेट में जीता लगातार दूसरा गोल्ड, श्रीलंका को रौंदा

निशिन, 22 सितम्बर। भारत का स्वर्ण पदक का खाता खुल गया है। भारत की बेटियों ने क्रिकेट में स्वर्ण पदक दिलाया। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया ने 147 रन से विशाल जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। 217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। पूरी टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने मुकाबला 147 रन से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर श्रीलंका की पारी को संभलने का मौका नहीं दिया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार

स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने इससे पहले 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीता था। इस बार भी टीम ने अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया। भारत के एशियन गेम्स 2026 में कुल पदकों की संख्या सात हो गई है और टीम पदक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गई है।

स्मृति मंधाना ने शानदार 79 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरूआत दिलाई। उनके साथ शेफाली वर्मा ने भी अहम योगदान दिया और 48 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय पारी को शुरूआती ओवरों में मजबूती दी और श्रीलंका के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। इसके बाद भारत ने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बटोरे।

भारत की पारी के आखिरी हिस्से में ऋचा घोष ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 49 रन ठोककर टीम को 200 के पार पहुंचाया। भारत ने 20 ओवर में 216 रन बनाए और श्रीलंका के सामने 217 रन का लक्ष्य रखा। इस तरह भारत ने फाइनल में श्रीलंका के सामने बड़ा लक्ष्य खड़ा किया।

इस जीत के साथ भारत ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार आठवीं जीत दर्ज की। यह भारत की महिला टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे लंबी लगातार जीत की लय है। इससे पहले भारत ने 2018 में लगातार सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीते थे।श्रीलंका ने भारत को आखिरी बार 2024 महिला एशिया कप के फाइनल में हराया था। इसके बाद दोनों टीमों के बीच हुए आठों टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत ने जीत दर्ज की। यानी 2024 एशिया कप फाइनल में मिली हार के बाद भारत ने श्रीलंका को लगातार आठ मैचों में शिकस्त दी है। 2026 एशिया कप फाइनल में भी भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराया था। एशियन गेम्स के फाइनल में यह दबदबा और मजबूत हुआ।

भारत की महिला टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगातार जीत का अपना नया रिकॉर्ड बनाया है। 2018 में टीम इंडिया ने लगातार सात मैच जीते थे। अब 2026 में श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स फाइनल की जीत ने भारत की लगातार जीत की लय को आठ मैचों तक पहुंचा दिया।

विकसित भारत 2047 का रोड मैप तैयार, 23 सितंबर से दो दिवसीय चिंतन शिविर शुरू

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अस्थिरता और चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। इसे महसूस करते हुए सरकार अब 2047 के विकसित भारत के लिए अपने रोड मैप को नया आयाम देने की तैयारी में है। इसी क्रम में बुधवार और गुरुवार को मंत्रिपरिषद की दो दिवसीय चिंतन बैठक होगी।

माना जा रहा है कि इसमें आठ से दस प्रजेंटेशन होंगे और सभी मंत्रालयों को निर्देश दिए जाएंगे उसके क्रियान्वयन में तेजी लाएं। विकास की दिशा ऐसी रखी जाएगी जो स्थायी और तात्कालिक तौर पर उसका लाभ भी दिखे। वर्तमान में सरकार के सामने दो तरह की चुनौतियां हैं। पहली चुनौती वैश्विक है जिसके कारण सप्लाई चेन, मैन्यूफैक्चरिंग, आयात निर्यात और आत्मनिर्भरता के सवाल हैं। तो घरेलू स्तर पर रोजगार जैसा सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दा है। सूत्रों के अनुसार इस चिंतन शिविर में इन सभी विषयों के मद्देनजर चर्चा होगी। पुरानी योजनाओं के असर की समीक्षा भी होगी और भविष्य का रोड मैप भी तैयार होगा। वर्ष 2021 में सरकार ने विभिन्न सेक्टर के लिए सचिवों के दस समूह बनाए थे जो स्केटहोल्डर से पूरी चर्चा कर प्लान तैयार करेगा। उन समूहों के प्रजेंटेशन पर चर्चा होगी और प्रधानमंत्री मंत्रिसमूह को संबोधित करेंगे।

ट्रंप-डेनमार्क विवाद में नया मोड़; ग्रीनलैंड को लेकर हुआ समझौता, द्वीप पर अमेरिकी सेना की बढ़ेगी मौजूदगी

अमेरिका, 22 सितम्बर। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की महत्वाकांक्षा ने 2019 से अमेरिका और उसके नाटो सहयोगी डेनमार्क के बीच लगातार तनाव पैदा किया। कभी ट्रंप ने ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जताई, फिर पूरे द्वीप पर अमेरिकी नियंत्रण की बात की और सैन्य विकल्प से भी इनकार नहीं किया। अब सितंबर 2026 में विवाद ने नया मोड़ लिया है। अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के बीच अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने को लेकर समझौता सामने आया है, जबकि डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने संप्रभुता कायम रहने पर जोर दिया है।अगस्त 2019 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड खरीदने में रुचि

दिखाई थी। डेनमार्क की तत्कालीन प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने इस विचार को खारिज कर दिया था। इसके बाद ट्रंप ने डेनमार्क की अपनी प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी। दिसंबर 2024 में दूसरे कार्यकाल की शुरूआत से पहले ट्रंप ने कहा कि ग्रीनलैंड का स्वामित्व और नियंत्रण अमेरिका के लिए बेहद जरूरी है।

ग्रीनलैंड के तत्कालीन प्रधानमंत्री म्यूट बोरोप एगेडे ने स्पष्ट किया कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है। जनवरी 2025 में ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने ग्रीनलैंड का दौरा किया। इसी दौरान ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना से इनकार नहीं किया।मार्च 2025 में ग्रीनलैंड में चुनाव हुए और जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन की डेमोक्राटिट पार्टी सबसे आगे रही। इसके बाद ग्रीनलैंड की संसद में मौजूद सभी प्रमुख दलों ने अमेरिकी नियंत्रण के विचार का विरोध किया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

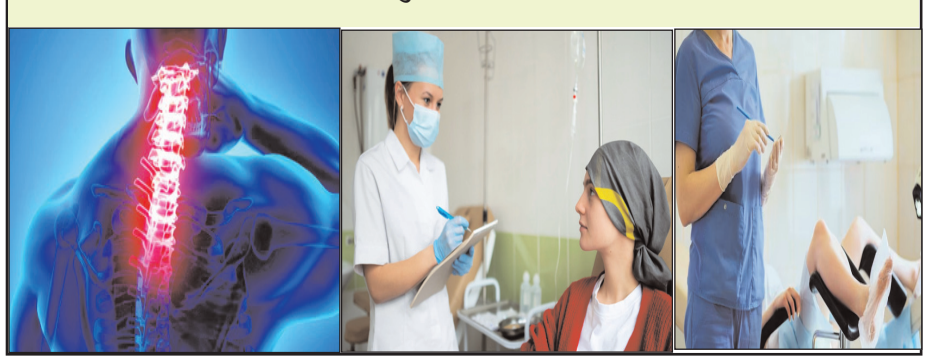

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW
SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल

-ललित गर्ग

आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बढ़ती अनैतिकता, शिक्षकों की जवाबदेही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को फिलहाल आत्महत्या के रूप में रिपोर्ट किया गया है, इसके पीछे की परिस्थितियों और किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी का निर्धारण जांच का विषय है। मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह धारणा पैदा हुई कि मामले को जिस तरीके से संभाला गया, उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपत्र सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र-प्रतिनिधित्व, बेहतर काउंसलिंग, चौबीसों घंटे मनोचिकित्सकीय सहायता, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और परीक्षा में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अधिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए, हालांकि संस्थान की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। यहीं से इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। क्या शिक्षा संस्थान में अनुशासन और मानवीय संवेदना एक-दूसरे के विरोधी हैं? निश्चित रूप से नहीं। परीक्षा में नकल, मोबाइल का अनुचित इस्तेमाल अथवा एआई के माध्यम से अनुचित सहायता लेना शिक्षा की विश्वसनीयता के लिए गंभीर चुनौती है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान ऐसी अनैतिकताओं को रोकने में असफल होते हैं तो डिग्री, शोध और प्रतिभा की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। लेकिन दूसरी ओर अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिसमें आरोप की निष्पक्ष जांच, छात्र को अपनी बात रखने का अवसर, अपील की व्यवस्था और मानसिक स्थिति को समझने की संवेदनशीलता शामिल हो। अपराध या अकादमिक कदाचार को नजरअंदाज करना भी गलत है और किसी छात्र को बिना समुचित प्रक्रिया के सामाजिक रूप से दोषी ठहरा देना भी।

आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होंगे। विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना होगा कि एआई का उपयोग कहां स्वीकार्य है, कहां निषिद्ध है और उल्लंघन की स्थिति में कौन-सी पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शिक्षकों को भी केवल दंड देने वाले अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है, इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जाति, आर्थिक स्थिति, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए।

भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केंद्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिकायत निवारण संबंधी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध हैं। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समयबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सकें। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए। शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव, उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत अकादमिक कदाचार पर कार्रवाई की है, तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है। सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुखद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों की आवाज उठाने का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों, धरनों और दबाव की राजनीति से तय होने लगे तो विश्वविद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खारिज कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रास्ता दोनों के बीच है-संवाद, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल प्लेसमेंट, रैंकिंग, पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है, शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संस्थान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है।

साहिल की मृत्यु को किसी एक प्रोफेसर, किसी एक प्रशासनिक निर्णय या किसी एक राजनीतिक संगठन तक सीमित कर देना इस त्रासदी के व्यापक संदेश को छोटा कर देगा। असली प्रश्न यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था प्रतिभा के साथ संवेदना, अनुशासन के साथ संवाद और अधिकार के साथ जवाबदेही का संतुलन कैसे बनाए? छात्रों को ईमानदार होना सीखना होगा, शिक्षकों को संवेदनशील होना होगा, संस्थानों को पारदर्शी होना होगा और सरकार तथा नियामक संस्थाओं को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें कानून सुरक्षा का माध्यम बने, भय का नहीं। भारत को यदि अपनी उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाना है तो केवल विश्व रैंकिंग में ऊपर जाना पर्याप्त नहीं होगा। हमारे विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां अकादमिक ईमानदारी से कोई समझौता न हो, लेकिन गलती करने वाले विद्यार्थी के लिए सुधार का रास्ता भी बंद न हो। जहां शिक्षक की गरिमा सुरक्षित हो, लेकिन शिक्षक की शक्ति निरंकुश न हो। जहां छात्र की आवाज सुनी जाए, लेकिन हर निर्णय सड़क के दबाव से न हो।आईआईटी जैसी शिक्षण संस्थाएं ज्ञान, संवाद और चरित्र निर्माण के केंद्र हैं-उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उन्हें जवाबदेही से मुक्त रखना भी नहीं है। सवाल यह नहीं कि छात्र आंदोलन क्यों कर रहे हैं या राजनीति क्यों पहुंच रही है, बड़ा सवाल यह है कि ऐसी परिस्थितियां बार-बार पैदा ही क्यों होती हैं? जब तक इस प्रश्न का संस्थागत उत्तर नहीं खोजा जाएगा, तब तक हर नई घटना के बाद विरोध, जांच, आरोप और कार्रवाई का चक्र चलता रहेगा। भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अब इस चक्र से आगे बढ़कर ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अनुशासन भी हो, न्याय भी, उत्कृष्टता भी हो और मानवीयता भी। तभी हम विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान बनाने के अपने संकल्प को वास्तविक अर्थ दे सकेंगे।

नस-नस में घुलता जहर और टूटते भविष्य का चक्रव्यूह

अशोक भाटिया

देश की राजधानी दिल्ली से लेकर सरहदी सूबे पंजाब तक, आज हमारा पूरा समाज एक ऐसे अदृश्य और घातक युद्ध का सामना कर रहा है, जिसके हथियार बारूद की तरह धमाका नहीं करते, बल्कि चुपचाप हमारी रगों में पिघलकर एक पूरी पीढ़ी को भीतर से खोखला कर रहे हैं। नशीले पदार्थों का फैलता यह मायाजाल केवल कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर एक सामान्य चुनौती नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक ताने-बाने, पारिवारिक संभलने की उम्मीदों और राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक सीधा प्रहार है। जब किसी देश की युवा आबादी रचनात्मकता, तकनीक और विकास के नए सोपान गढ़ने के बजाय सिंथेटिक ड्रग्स और हेरोइन के नशे में अपनी सुध-बुध खोने लगे, तो वह संकट किसी महामारी से कम नहीं रह जाता। विडंबना यह है कि यह धंधा अब सिर्फ कुछ खास इलाकों या महानगरों के अंधेरे कोनों तक सीमित नहीं रहा; यह आधुनिक तकनीक और डार्कवेब की बैसाखी थामकर देश के हर कोने में पैर पसार चुका है।

यदि हम इस समस्या के तात्कालिक और सबसे भयावह गढ़ को देखें, तो देश की धड़कन कही जाने वाली दिल्ली इस त्रासदी की अग्रिम पंक्ति में आकर खड़ी हो गई है। दिल्ली में ड्रग्स का यह मायाजाल किस कदर फैल चुका है, इसका सबसे ताजा और खौफनाक उदाहरण हाल ही में सामने आया है। दिल्ली पुलिस द्वारा चलाए गए एक व्यापक 96 घंटे के विशेष एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन में लगभग 5 करोड़ रुपये की भारी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं। इस बड़े एक्शन में पुलिस ने 19 से अधिक ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनमें छह विदेशी नागरिक भी शामिल हैं जो राजधानी की सड़कों पर मौत का यह सामान बांट रहे थे। इस जब्ती में केवल पारंपरिक गांजा ही नहीं, बल्कि हेरोइन, अफीम, एमडी , एमडीएमए और कोकीन जैसे अत्यंत घातक और महंगे सिंथेटिक ड्रग्स बरामद हुए हैं। दिल्ली में ड्रग्स का यह स्वरूप बेहद कॉरपोरेट और खतरनाक हो चुका है, जहाँ नाइजीरियाई और अन्य अंतरराष्ट्रीय गिरोहों की सक्रियता से लेकर स्थानीय पेडलर्स का एक ऐसा जाल तैयार हो गया है जो स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को अपना आसान शिकार बना रहा है। महानगर की चकाचौंध, 'पीयर प्रेशर' (दोस्तों के बीच कूल दिखने की चाहत), माता-पिता की व्यस्त जीवनशैली और बच्चों के एकाकीपन ने इस आग में घी डालने का काम किया है। दिल्ली पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो आए दिन करोड़ों रुपये की खेप पकड़ते हैं, लेकिन यह जब्ती समुद्र में एक बूंद जैसी ही दिखाई देती है, क्योंकि मांग की जो खाई तैयार हो चुकी है, उसे पाटना केवल पुलिसिया कार्रवाई के बस की बात नहीं है।

दिल्ली के इस कॉरपोरेट ड्रग नेटवर्क के तार जब राज्यों की सीमाओं को पार करते हैं, तो पंजाब का नाम इस त्रासदी के दूसरे सबसे बड़े प्रभावित केंद्र के रूप में उभरता है। कभी अपनी खुशहाली, हरित क्रांति और गबरू जवानों के पौरुष के लिए पहचाने जाने वाला पंजाब आज पिछले कुछ दशकों

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

से नशे के ऐसे दलदल में फंसा है जिससे निकलना उसके लिए लगातार मुश्किल होता जा रहा है। दिल्ली जहाँ एक बड़े वितरण केंद्र और उपभोक्ता बाजार के रूप में इस्तेमाल हो रही है, वहीं पंजाब सीमा पार से होने वाली नार्को-तस्करी की सीधी मार झेल रहा है। सरहद पार से होने वाली ड्रोन तस्करी, पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय रास्तों से छनकर आने वाली हेरोइन और स्थानीय स्तर पर मिलने वाले सिंथेटिक ड्रग्स ने पंजाब के गांवों और कस्बों को श्मशान जैसी खामोशी की तरफ धकेल दिया है। आंकड़ों और हालिया रिपोर्टों से यह साफ जाहिर होता है कि पंजाब में ड्रग्स की समस्या अब सिर्फ चुनावी रैलियों का एक खोखला नारा बनकर रह गई है, जबकि जमीन पर स्थिति यह है कि राज्य ने अपनी युवा ऊर्जा का एक बड़ा हिस्सा 'चिट्टे' की भेंट चढ़ा दिया है। बेरोजगारी, कृषि क्षेत्र का ठहराव और पश्चिम की तरफ भागने की अंधी दौड़ ने युवाओं को एक ऐसे अवसाद में धकेला, जिसका फायदा सीधे तौर पर सीमा पार बैठे तस्करों और स्थानीय राजनेताओं-अपराधियों के गठजोड़ ने उठाया।

वैश्विक स्तर पर भारत की भौगोलिक अवस्थिति ने इस संकट को और अधिक संवेदनशील बना दिया है, क्योंकि हम दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उत्पादक क्षेत्रों– 'गोल्डन क्रेसेंट' (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान) और 'गोल्डन ट्राएंगल' (म्यांमार, लाओस, थाईलैंड)–के बीच सैंडविच की तरह फंसे हुए हैं। इसी भौगोलिक मजबूरी और सीमाओं के पार से होने वाली साजिशों के कारण दिल्ली और पंजाब जैसे क्षेत्र इस समय नशे की सबसे भीषण मार झेल रहे हैं। आज का ड्रग माफिया केवल सीमाओं पर कंटीली तारों के नीचे से पैकेट फेंकने तक सीमित नहीं है। अब डार्कवेब, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए नशीली दवाओं की डीलिंग की जा रही है। एक क्लिक पर कॉलेज के हॉस्टल या घर के दरवाजे तक कूरियर सेवाओं के माध्यम से ड्रग्स डिलीवर हो रहे हैं। तकनीक के इस दुरुपयोग ने अपराधियों को एक अभेद्य सुरक्षा कवच दे दिया है, जिससे उनके मूल स्रोतों तक पहुंचना बेहद जटिल हो गया है। यह सीधे तौर पर हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ी चेतावनी है, क्योंकि खुफिया रिपोर्टें बार-बार इस बात की पुष्टि करती हैं कि ड्रग्स के इस व्यापार से होने वाली काली कमाई (नार्को-टेररिज्म) का इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों, हथियारों की खरीद और आतंकवाद को वित्तपोषित करने के लिए किया जा रहा है।

इस सर्वव्यापी संकट से निपटने के लिए सरकार ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' और राष्ट्रीय कार्ययोजना जैसी नीतियां तो बनाई हैं, लेकिन इन नीतियों का क्रियान्वयन प्रशासनिक सुस्ती की भेंट चढ़ जाता है। स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम , 1985 जैसे सख्त कानून होने के बावजूद अपराधियों को सजा मिलने की दर बेहद कम है, जिसके कारण तस्करों के हौसले बुलंद हैं। इस चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए हमें त्रि-स्तरीय रणनीति पर पूरी ताकत से काम करना होगा, जिसमें पहला स्तर आपूर्ति को पूरी तरह रोकना , दूसरा मांग को खत्म करना और तीसरा पुनर्वास है। सीमाओं पर ड्रोन-विरोधी तकनीक, तटीय सुरक्षा में आधुनिक रडार और डार्कवेब की निगरानी के लिए विशेष साइबर विंग को चौबीसों घंटे सक्रिय रखना होगा। इसके साथ ही, दिल्ली और पंजाब जैसे अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष टास्क फोर्स का गठन करके राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर बैठे सफेदपोश मददगारों को बेनकाब करना होगा, जिनके संरक्षण के बिना यह अरबों का धंधा फल-फूल नहीं सकता।

लेख का सबसे महत्वपूर्ण दृष्टिकोण यह है कि इस युद्ध को केवल पुलिस और अदालतों के भरोसे नहीं जीता जा सकता। हमें यह समझना होगा कि नशे की लत का शिकार हुआ युवा अपराधी नहीं, बल्कि एक मरीज है, जिसे जेल की सलाखों की नहीं, बल्कि चिकित्सा, परामर्श और सहानुभूति की आवश्यकता है। देश में कुकुरमुत्ते की तरह खुले अवैध और अमानवीय पुनर्वास केंद्रों पर ताला लगाना होगा और वैज्ञानिक पद्धतियों पर आधारित सरकारी नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ानी होगी। परिवारों को अपने बच्चों के साथ संवाद की खाइयों को पाटना होगा ताकि कोई भी युवा अवसाद या अकेलेपन के कारण इस आत्मघाती रास्ते पर न बढ़े। स्कूलों और विश्वविद्यालयों के स्तर पर व्यापक रूप से अनिवार्य जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे। यदि भारत को अपनी 'जनसांख्यिकीय लाभांश' यानी अपनी विशाल युवा आबादी की ताकत का सही फायदा उठाना है, तो हमें इस युवा शक्ति को नशे की दीमक से बचाना ही होगा। समय हाथ से निकलता जा रहा है; यदि आज दिल्ली के वेस्ट डिस्ट्रिक्ट में पकड़े गए इस सिंडिकेट जैसे नेटवर्कों को जड़ से नहीं उखाड़ा गया, तो आने वाला इतिहास हमें एक ऐसी पीढ़ी को खोने के लिए कभी माफ नहीं करेगा जो देश का भाग्य बदल सकती थी।

इमरान-इकरा की भिड़ंत से गरमाई सपा-कांग्रेस की सीटों वाली सियासत

उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव भले अभी कई महीने दूर हो, लेकिन विपक्ष के भीतर चुनावी शतरंज बिछ चुकी है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ऊपर से गठबंधन की जरूरत समझती दिखती हैं, मगर नीचे सीटों और राजनीतिक प्रभाव की ऐसी लड़ाई शुरू हो गई है, जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा मैदान बन गया है। सहारनपुर के इमरान मसूद और कैराना की इकरा हसन के बीच हुई जुबानी भिड़ंत इसी अंदरूनी संघर्ष का चेहरा है। सवाल सिर्फ यह नहीं कि कौन किसे जवाब दे रहा है। असली सवाल यह है कि 2027 में उत्तर प्रदेश के विपक्ष की कमान किस राजनीतिक ताकत के हाथ में रहेगी।इमरान मसूद लगातार सीट बंटवारे को जल्दी अंतिम रूप देने का दबाव बना रहे हैं। उनका संदेश साफ है कांग्रेस को केवल सहयोगी नहीं, बराबर की राजनीतिक ताकत माना जाए। वह यह भी कह रहे हैं कि जरूरत पड़ी तो कांग्रेस अकेले चुनाव की तैयारी करेगी। यही वह बिंदु है जहां सपा की बेचैनी समझ में आती है। अगर कांग्रेस बार-बार सार्वजनिक रूप से अपनी ताकत का दावा करती रही तो सीटों की बातचीत बंद कमरे की सौदेबाजी न रहकर सार्वजनिक प्रतिष्ठा की लड़ाई बन जाएगी।

कांग्रेस के पास अपने दावे का एक बड़ा आंकड़ा है 2024 का लोकसभा चुनाव। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में सपा ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीतीं। दोनों मिलकर 43 पर पहुंचे। यह विपक्ष के लिए बड़ा बदलाव था। कांग्रेस इसी नतीजे को अपनी राजनीतिक वापसी का प्रमाण मान सकती है। लेकिन सपा के पास भी उससे ज्यादा पुराना और विधानसभा का ज्यादा प्रासंगिक आंकड़ा है। 2022 में भाजपा ने 255 विधानसभा सीटें जीतीं, सपा 111 पर रही और कांग्रेस सिर्फ 2 सीटों तक सिमट गई। सपा का मत प्रतिशत 32.03 प्रतिशत था, जबकि कांग्रेस करीब 2.33 प्रतिशत पर रही। यही अंतर सीट बंटवारे की मेज पर सपा का सबसे बड़ा तर्क है।यानी दोनों दलों के पास अपनी-अपनी जीत का आंकड़ा है। कांग्रेस कहेगी कि 2024 में उसके आने से विपक्ष का विस्तार हुआ। सपा कहेगी कि 2027 लोकसभा नहीं, विधानसभा का चुनाव है और विधानसभा में जमीन उसकी है। सितंबर की रिपोर्टों में सपा के कांग्रेस को लगभग 45 से 50 सीटों से ज्यादा न देने की रणनीति की चर्चा सामने आई, जबकि कांग्रेस इससे कहीं बड़ी हिस्सेदारी चाहती बताई जा रही है। 403 सीटों वाली विधानसभा में अगर

स्वदेश कुमार

दोनों के दावों के बीच इतना बड़ा अंतर है तो समझा जा सकता है कि असली खींचतान कितनी गहरी है।

2017 का इतिहास भी इस सौदेबाजी में सपा के पक्ष में तर्क देता है। तब सपा और कांग्रेस ने साथ चुनाव लड़ा था। कांग्रेस को 105 सीटें मिली थीं, लेकिन वह सिर्फ 7 सीटें जीत सकी। सपा भी 47 सीटों पर सिमट गई। गठबंधन सत्ता तक नहीं पहुंच पाया। इसलिए 2017 सपा को यह याद दिलाने का मौका देता है कि ज्यादा सीटें देना और ज्यादा सीटें जीतना दो अलग बातें हैं। 2027 में अखिलेश यादव शायद सीटों की संख्या से ज्यादा जीतने की क्षमता को आधार बनाना चाहेंगे।यहीं इमरान मसूद बनाम इकरा हसन की कहानी अचानक ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। इमरान को जवाब देने के लिए सपा ने किसी पुराने नेता को आगे नहीं किया। कैराना की युवा सांसद इकरा हसन सामने आईं। यह सिर्फ जवाब देने का तरीका नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश भी है। 2024 में सहारनपुर से इमरान मसूद ने 5,47,967 वोट लेकर भाजपा उम्मीदवार को 64,542 मतों से हराया था। उसी चुनाव में कैराना से इकरा हसन ने 5,28,013 वोट लेकर भाजपा उम्मीदवार को 69,116 मतों से हराया। यानी पश्चिमी यूपी में कांग्रेस के पास इमरान का आंकड़ा है तो सपा के पास इकरा का। इसलिए इकरा का जवाब सपा के लिए महज बयान नहीं है। यह कांग्रेस को बताया गया वह संदेश है कि पश्चिमी यूपी की मुस्लिम राजनीति पर किसी एक दल का दावा नहीं चल सकता। इमरान मसूद जिस इलाके में कांग्रेस की ताकत दिखा रहे हैं, उसी इलाके में सपा अपनी जमीन का चेहरा इकरा हसन के रूप में पेश कर रही है। इकरा की राजनीति का महत्व यहां और बढ़ जाता है। उनकी पहचान युवा महिला सांसद के साथ-साथ पिछड़े वर्ग से जुड़ी सामाजिक पहचान वाली नेता के रूप में भी है। सपा की पीडीए राजनीति में यह संयोजन महत्वपूर्ण है। मुस्लिम, पिछड़े, दलित और युवा इन वर्गों को जोड़ने की कोशिश में इकरा का चेहरा सपा के लिए राजनीतिक संदेश को विस्तार दे सकता है। इसलिए उन्हें केवल इमरान मसूद का जवाब देने वाली नेता समझना सपा की रणनीति को छोटा करके देखना होगा।

मुस्लिम नेतृत्व के स्तर पर भी सपा एक संक्रमण से गुजर रही है। आजम खान लंबे समय तक पार्टी की सबसे प्रभावशाली मुस्लिम आवाज रहे। लेकिन अब पार्टी में कई पीढ़ियों और क्षेत्रों के चेहरे मौजूद हैं। इकरा हसन, जिया उर रहमान बर्क, मोहिबुल्लाह नदवी, अफजाल अंसारी, महबूब अली जैसे नेताओं के साथ 2026 में नसीमुद्दीन सिद्दीकी का सपा में आना भी महत्वपूर्ण है। इसलिए इकरा को आजम खान का विकल्प घोषित करना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन उन्हें नई पीढ़ी के राजनीतिक चेहरे के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश जरूर दिखाई देती है।कांग्रेस के सामने दूसरी चुनौती यह है कि लोकसभा की सफलता को विधानसभा की ताकत में कैसे बदला जाए। 2024 में 43 सीटों का संयुक्त आंकड़ा सपा-कांग्रेस के लिए बड़ी राजनीतिक पूंजी था, लेकिन विधानसभा में बूथ, उम्मीदवार और स्थानीय संगठन का गणित अलग होता है। 2022 में कांग्रेस की 2 विधानसभा सीटें बताती हैं कि लोकसभा की जीत को विधानसभा की सीटों में बदलना अपने आप नहीं होता। इसीलिए इमरान मसूद का दबाव और इकरा हसन का जवाब आने वाले बड़े संघर्ष की शुरूआत भर है। कांग्रेस ज्यादा सीट चाहती है क्योंकि उसे लगता है कि 2024 ने उसकी राजनीतिक जमीन वापस बनाई है। सपा कम लेकिन जीतने योग्य सीटें चाहती है क्योंकि उसके पास विधानसभा का कहीं बड़ा संगठन और आधार है। दोनों को एक-दूसरे की जरूरत है, लेकिन दोनों यह भी चाहते हैं कि गठबंधन में दूसरा दल बड़ा भाई बनकर न बैठे।यही 2027 की असली कहानी है। लड़ाई भाजपा से पहले विपक्ष के भीतर अपनी जगह तय करने की है। इमरान मसूद कांग्रेस की राजनीतिक कीमत बढ़ाने में जुटे हैं तो इकरा हसन सपा की ताकत का जवाब दे रही हैं। अब फैसला भाषणों से नहीं होगा। फैसला इस बात से होगा कि कौन कितनी सीट पर दावा करता है, किस सीट पर उसका संगठन है, किस उम्मीदवार के पास जमीन है और 2024 की जीत को 2027 की विधानसभा में कौन बदल सकता है। पश्चिमी यूपी में शुरू हुई यह जुबानी जंग अगर लंबी चली तो यह सिर्फ दो नेताओं की लड़ाई नहीं रहेगी। यह तय करने वाली लड़ाई बन जाएगी कि 2027 में सपा-कांग्रेस गठबंधन साझेदारी होगी या सीटों की ऐसी सौदेबाजी, जिसमें दोनों एक-दूसरे की ताकत नापते-नापते अपनी ही साझा जमीन कमजोर कर बैठें।

शिक्षा की मशाल से बदली पश्चिमांचल की तस्वीर

सुल्तानपुर-जौनपुर सीमा के निकट स्थित समोधपुर में जब उच्च शिक्षा के अवसर सीमित थे, तब ठाकुर प्रसाद सिंह ने वर्ष 1948 में शिक्षा की जो नींव रखी, वह समय के साथ विस्तृत शिक्षण संकुल में बदल गई। उनकी पुण्यतिथि 22 सितंबर को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह दिन उनके योगदान को स्मरण करने के साथ उस सोच की प्रासंगिकता पर विचार का अवसर भी है, जिसने ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया।

उस दौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को दूर जाना पड़ता था। स्थानीय स्तर पर शिक्षण संस्थान विकसित करने की पहल इसी आवश्यकता से जुड़ी थी। आगे चलकर यह प्रयास अवघड़ भगवान राम बाल विद्यापीठ, श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज, गांधी स्मारक पीजी कॉलेज, गांधी स्मारक डीपीएड कॉलेज और ठाकुर प्रसाद सिंह औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जैसे संस्थानों तक पहुंचा। इस विस्तार ने आसपास के ग्रामीण परिवारों के लिए शिक्षा के अवसरों को स्थानीय बनाया। किसी संस्थान की पहचान केवल उसके भवनों से नहीं, बल्कि वहां विकसित शैक्षिक संस्कृति से होती है। इस दृष्टि से डॉ. रणजीत सिंह का कार्यकाल उल्लेखनीय रहा।

अप्रैल 1989 में प्रधानाचार्य का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने अनुशासन, परीक्षा की शुचिता और शैक्षिक गुणवत्ता पर जोर दिया। खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्काउट-गाइड और बाल विज्ञान कांग्रेस जैसी गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिला। करीब 700 स्काउट-गाइड विद्यार्थियों को राज्यपाल पुरस्कार और दो विद्यार्थियों को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुए। वर्ष 2015 में तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक ने उन्हें शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। 31 वर्ष चार माह की सेवा के बाद वे 31 जुलाई 2020 को सेवानिवृत्त हुए। वे उत्तर प्रदेश भारत स्काउट्स एवं गाइड्स में जिला मुख्यायुक्त और राज्य कार्यकारिणी के सदस्य भी रहे हैं।

वर्तमान में गांधी स्मारक विद्यालय संकुल के प्रबंधन की जिम्मेदारी हृदय प्रसाद सिंह रानू के पास है, जबकि श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के प्रधानाचार्य डॉ. अजेय प्रताप सिंह हैं। अब चुनौती स्थापित परंपरा को बनाए रखते हुए शिक्षा को डिजिटल तकनीक, कौशल विकास, रोजगारपरक प्रशिक्षण और बदलती जरूरतों से जोड़ने की है। किसी शिक्षण संस्थान के प्रभाव का आकलन उसके विद्यार्थियों की आगे की यात्रा से भी किया जा सकता है। किसी संस्थान के प्रभाव को उसके पूर्व छात्रों की कार्ययात्रा से भी समझा जा सकता है। समोधपुर की शैक्षिक परंपरा से निकले डॉ. नवनीत मिश्र ने राष्ट्रीय पत्रकारिता में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। जनसत्ता (इंडियन एक्सप्रेस समूह), एनडीटीवी, आज तक, आईएएनएस और राजस्थान पत्रिका के नेशनल ब्यूरो में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाते हुए उन्होंने संसद, प्रधानमंत्री कार्यालय, गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े विषयों की रिपोर्टिंग का व्यापक अनुभव अर्जित किया। कई महत्वपूर्ण खबरों और साक्षात्कारों के माध्यम से उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पेशेवर पहचान बनाई। जनवरी 2024 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनका साक्षात्कार भी राष्ट्रीय राजनीति के संदर्भ में चर्चित रहा। पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएचडी कर चुके डॉ. मिश्र शोध और पत्रकारिता, दोनों क्षेत्रों से जुड़े हैं। वर्तमान में वे भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की सेंट्रल मीडिया एक्रेडिटेशन कमेटी (CMAC), 2025-27 के सदस्य हैं। उनकी यात्रा यह रेखांकित करती है कि क्षेत्रीय शैक्षिक संस्थानों से मिली शिक्षा और संस्कार प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का आधार प्रदान कर सकते हैं।

गांधी स्मारक विद्यालय संकुल से जुड़े वीरेंद्र सिंह वत्स ने पत्रकारिता और गीत-लेखन के बाद सार्वजनिक दायित्व के क्षेत्र में स्थान बनाया और वर्तमान में राज्य सूचना आयुक्त हैं। सूचना के अधिकार से जुड़े मामलों की सुनवाई तथा जनजागरूकता की गतिविधियों में भी उनकी भूमिका रही है। वरिष्ठ पत्रकार हेमंत तिवारी ने मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पत्रकारों से जुड़े विषयों को संबंधित मंचों पर उठाया है। अलग-अलग क्षेत्रों में इन कार्ययात्राओं से संस्थान की शैक्षिक पृष्ठभूमि के व्यापक प्रभाव का संकेत मिलता है। गांधी स्मारक पीजी कॉलेज के इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव ने शिक्षण के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना और सामाजिक सहभागिता को भी महत्व दिया। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक के रूप में उन्होंने युवाओं को सामाजिक सेवा और सामुदायिक गतिविधियों से जोड़ा। करीब 25 वर्षों के शैक्षणिक कार्यकाल में जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग के साथ संसद से जुड़े कार्यक्रमों, राष्ट्रीय युवा दिवस और अन्य आयोजनों के समन्वय में भी उनकी भूमिका रही है।

ठाकुर प्रसाद सिंह की 23वीं पुण्यतिथि पर समोधपुर की शैक्षिक यात्रा और बदलते समय में उसकी प्रासंगिकता पर एक दृष्टि

चिकित्सा क्षेत्र में मिसिरपुर गांव निवासी वरिष्ठ सर्जन डॉ. ए.के. सिंह ने सुल्तानपुर में जनरल और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के क्षेत्र में लंबे समय से सेवाएं दी हैं। एमबीबीएस और एमएस की योग्यता रखने वाले डॉ. सिंह सुमन हॉस्पिटल सर्जिकल एंड लेप्रोस्कोपिक रिसर्च सेंटर से संबद्ध हैं। करीब 40 वर्षों का चिकित्सा अनुभव रखने वाले डॉ. सिंह की यात्रा ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवा तक पहुंचने की मिसाल है। सुइथाकलां के जमौली गांव निवासी और श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर के पूर्व छात्र डॉ. आरपी सिंह ने उच्च शिक्षा और इंजीनियरिंग सेवा के बाद सार्वजनिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण दायित्व संभाला। आईआईटी के बाद बीएचयू से बीटेक, एमटेक और पीएचडी करने वाले डॉ. सिंह इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेज के माध्यम से सीपीडब्ल्यूडी में मुख्य अभियंता तक पहुंचे। वर्तमान में वे उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष हैं और उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त है। पूर्व छात्रों की उपलब्धियों में सतीश सिंह भी शामिल हैं, जिन्हें वर्ष 2025 में राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं रामनरेश प्रजापति ने वर्ष 2023 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विषय में सर्वाधिक अंक हासिल कर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के हाथों विश्वविद्यालय का स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसी वर्ष उन्हें अमर उजाला का अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक भी मिला। ये उपलब्धियां ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शैक्षिक अवसरों की संभावनाओं को सामने रखती हैं। सांस्कृतिक क्षेत्र में पूर्व छात्र सुरेश शुक्ला ने भोजपुरी लोकगीत और भक्ति संगीत में पहचान बनाई। विभिन्न सांस्कृतिक मंचों के अलावा टेलीविजन और भोजपुरी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी आवाज दी। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई आयोजनों में प्रस्तुति दे चुके शुक्ला की यात्रा क्षेत्र की लोक प्रतिभाओं को मंच मिलने की संभावनाओं को रेखांकित करती है। उन्हें देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार के कार्यकाल में पुरस्कार मिलने की जानकारी है।

सुईथाकला के कम्मरपुर गांव निवासी हरगोविंद सिंह का भारतीय राजस्व सेवा (क्क्रन्र) तक पहुंचना भी क्षेत्र की प्रतिभा का उदाहरण है। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से चयनित होकर उन्होंने ग्रामीण परिवेश से राष्ट्रीय स्तर की प्रशासनिक सेवा तक की यात्रा पूरी की। इसी क्षेत्र के पूर्व छात्र अमर कुमार ने मूर्तिकला में पहचान बनाई है। मानव शरीर की संरचना और सूक्ष्म भाव-भंगिमाओं को आकार देने की उनकी दक्षता उनकी कलाकृतियों में दिखाई देती है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी कलाकृतियों का अवलोकन किया और सराहना की। शिक्षा की भूमिका पाठ्यक्रम और परीक्षा तक सीमित नहीं है। खेल, संस्कृति, स्काउट-गाइड, सामाजिक सेवा और व्यक्तित्व विकास विद्यार्थियों को जीवन की व्यापक चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। ठाकुर प्रसाद सिंह की विरासत को इसी व्यापक दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। वर्ष 1948 में शुरू हुई पहल आज अनेक संस्थानों के रूप में सामने है। अब इसकी अगली कसौटी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ डिजिटल दक्षता, कौशल विकास, रोजगारपरक प्रशिक्षण और विद्यार्थियों की बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को विकसित करना है। 22 सितंबर का प्रेरणा दिवस इसलिए केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने पर विचार का दिन भी है। यदि शैक्षिक परंपरा और मूल्यों के साथ नई तकनीक, कौशल और रोजगार की जरूरतों को जोड़ा जाए, तो 1948 में जलाई गई शिक्षा की मशाल आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मार्गदर्शक बनी रह सकती है।

-रामनरेश प्रजापति पत्रकार, गोल्ड मेडलिस्ट

आजाद नगर के महाराजा को भक्तों ने दी भावपूर्ण विदाई

पालघर(उत्तरशक्ति)। गणपमंडिताय गणेशानाय धीमहि के मंत्रोच्चार और गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से इन दिनों पूरा पालघर जिला भक्तिमय बना हुआ है। गणेशोत्सव समापन की ओर बढ़ने के साथ जहां श्रद्धालुओं में बप्पा के विदा होने मलाल दिखाई दे रही है, वहीं सार्वजनिक गणेश मंडपों में दर्शन, पूजा-अर्चना और विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उत्साह बरकरार है।

बोईसर शहर पश्चिम के धर्म नगरी आजाद नगर में श्री साई समर्थ फाउंडेशन द्वारा आयोजित आजाद नगर का महाराजा सार्वजनिक गणेशोत्सव का इस वर्ष छठा आयोजन किया गया। सातवें दिन रविवार, 20 सितंबर को विधि-विधान एवं भक्तिमय वातावरण के बीच श्री गणपति बप्पा का विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भावपूर्ण माहौल में बप्पा को विदाई दी। इससे पूर्व शनिवार को भगवान श्री गणेश के दर्शन एवं आशीर्वाद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आजाद नगर स्थित गणेश पंडाल पहुंचे। इस अवसर पर श्री साई समर्थ फाउंडेशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष संजय बारी तथा सरावली ग्राम पंचायत सदस्य जुली संजय बारी की ओर से श्रद्धालुओं का स्वागत-सत्कार किया गया और उन्हें भोग-प्रसाद वितरित किया गया। गणेश पंडाल में दर्शन के लिए आम नागरिकों के साथ विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथियों एवं शुभचिंतकों की भी उपस्थिति रही। गणेशोत्सव के दौरान आयोजित सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं ने भी उत्सव में चार चांद लगाए। मंडल की ओर से श्रद्धालुओं और अतिथियों के स्वागत-सत्कार की विशेष व्यवस्था की गई थी।बप्पा के विसर्जन के अवसर पर ह्यगणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आह्व के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से विघ्नहर्ता को विदाई देते हुए सुख, समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

एमआईडीसी चा महाराजा के दर्शन को उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

24 सितंबर को होगा विशाल महाप्रसाद भंडारा

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर से सटे तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र के कैमलिन नाका स्थित अंबर होटल के पास विराजमान एमआईडीसी चा महाराजा के दर्शन के लिए प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। गणेशोत्सव के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आ रहा है।

एमआईडीसी चा महाराजा गणेशोत्सव मंडल की ओर से प्रतिदिन सुबह, दोपहर और शाम भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती का आयोजन किया जा रहा है। आचार्य अभिषेक पाठक के सानिध्य में पंडित गोलू मिश्रा के सहयोग से धार्मिक कार्यक्रम संपन्न कराये जा रहे हैं। दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु बप्पा के चरणों में शीश नवाकर सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। ज्ञात हो कि बोईसर पुलिस थाना की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में एमआईडीसी चा महाराजा को प्रथम विजेता पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। इससे मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। गणेशोत्सव को सफल बनाने में मंडल के अध्यक्ष संजू सेट्टी, कोषाध्यक्ष उपेंद्र सिंह शेखावत तथा सह-कोषाध्यक्ष कमल मेवाड़ा सहित मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता विशेष प्रयास कर रहे हैं। मंडल के अध्यक्ष संजू सेट्टी ने बताया कि गुरुवार 24 सितंबर 2026 को शाम 6 बजे से महाप्रसाद रूपी विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर महाप्रसाद ग्रहण करने तथा आयोजन का लाभ लेने की अपील की है। मंडल की ओर से भंडारे की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं।

टावर बुला रहा है, लेकिन पहले पटना, राइज एंड फॉल सीजन 2 में शामिल होने से पहले तेज प्रताप यादव ने पटना में समर्थकों के साथ किया शक्ति प्रदर्शन

मुंबई/पटना। राइज एंड फॉल सीजन 2 के टावर में कदम रखने से पहले, तेज प्रताप यादव ने पटना की सड़कों पर अपना पावर प्ले दिखाया। उन्होंने समर्थकों से मुलाकात की और अपने आगामी रियलिटी शो सफर को लेकर उत्साह बढ़ाया। शो में उनकी एंट्री पहले ही सामने आ चुकी है। दिन की शुरूआत एक इंटरैक्टिव मीट-एंड-ग्रीट से हुई, जहां तेज प्रताप ने रैली के लिए निकलने से पहले अपने समर्थकों से संवाद किया। इसके बाद उन्होंने भीड़ से बातचीत की और मीडिया से भी चर्चा की। इस आयोजन में तेज प्रताप के राइज एंड फॉल सीजन 2 की दुनिया में प्रवेश से पहले उनके समर्थक बड़ी संख्या में जुटे। उन्हें तेज प्रताप से मिलने और खेल में उतरने से पहले उनकी बातें सुनने का मौका मिला। मीट-एंड-ग्रीट से लेकर रैली तक, पूरे दिन उत्साह बना रहा। तेज प्रताप ने शो में अपने आगामी सफर और ऐसे खेल का हिस्सा बनने को लेकर बात की, जो शक्ति, रणनीति और बदलती परिस्थितियों के इर्द-गिर्द बुना गया है। इस आयोजन ने उनके बहुप्रतीक्षित प्रवेश से पहले माहौल को और रोमांचक बना दिया और उनके रिवील से जुड़ी चर्चा को टावर से पटना की सड़कों तक पहुंचा दिया।

रिवाह बाए तनिष्क की बिहार के लिए नई पेशकश, मधुबनी कला से सजे शादी के आभूषणों का विशेष कलेक्शन

मुंबई/पटना। तनिष्क के वेडिंग ज्वेलरी सब-ब्रांड, 'रिवाह बाए तनिष्क' ने बिहार के लिए अपना नया ज्वेलरी कलेक्शन पेश किया है, जो यहां की समृद्ध परंपराओं और मधुबनी कला की अनूठी शैली से प्रेरित है। 18-कैरेट पीले सोने में तैयार किया गया यह कलेक्शन शादी के आभूषणों का एक संपूर्ण संग्रह पेश करता है। इसमें शामिल बहुपयोगी डिजाइन्स बिहार की शादियों के कई विशेष अवसरों के लिए एकदम सटीक हैं, जो घर-परिवार की निजी रस्मों से लेकर मुख्य समारोहों तक पूरी शादी में हर लुक को भव्य बनाते हैं। मधुबनी कला के पक्षियों, साथियों, गीतों और परंपराओं से प्रेरित यह कलेक्शन प्रकृति और रोजमर्रा के जीवन के तत्वों को आभूषणों के रूप में खूबसूरती से ढालता है।

काशीगांव पुलिस की जुआ अड्डे पर छापेमारी, 9 आरोपी गिरफ्तार

22,740 रुपये नकद, दो XUV 700 कारें, मोबाइल फोन व जुआ सामग्री समेत करीब 48.55 लाख रुपये का माल जब्त

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक होटल में छापेमारी कर कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी, दो महिंद्रा XUV 700 कारें, प्लास्टिक के जुआ सिक्के, ताश के पत्ते और मोबाइल फोन समेत करीब 48 लाख 55 हजार 20 रुपये मूल्य का जुआ खेलने का सामान व अन्य सामग्री जब्त की है। पुलिस के अनुसार, 20 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 2:30 बजे काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सुहास कांबले को गुप्त सूचना मिली थी कि ठाणे-मुंबई महामार्ग, मीरा रोड पूर्व तालुका ठाणे स्थित होटल में कुछ लोग तीन पत्ती कार्ड जुआ खेल रहे हैं। सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बाद उनके मार्गदर्शन में अपराध जांच शाखा की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गोल्डन रिट्रीट होटल, काजू पाड़ा में छापा मारा। छापेमारी के दौरान मौके पर कुल 9 लोग जुआ खेलते हुए पाए गए। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की। गिरफ्तार आरोपियों के नाम संजय सखाराम चालके, निवासी दहिसर, मुंबई देवांग किरीट भाई चाल्ला, निवासी आनंदनगर, दहिसर, मुंबई, देवांग हसमुख भाई सागर, निवासी मीरा रोड, चंदूभाई पोपटभाई

मेवारिया, निवासी वसई, जिला पालघर धरम संजय सुरु, निवासी कांदिवली, मुंबई मुनीर मेहंदी कपाड़िया, निवासी मुंब्रा, जिला ठाणे जयेश कालूभाई सुतारिया, निवासी दहिसर पूर्व, मुंबई, हरेश वाघजी भाई मेवारिया, निवासी वसई, जिला पालघर, धवल गोपाल मकवाना, निवासी मलाड पूर्व, मुंबई, यह सामान हुआ जब्त, पुलिस ने आरोपियों के पास से 22,740 रुपये नकद, महिंद्रा कंपनी की दो वश 700 कारें, 2,97,800 रुपये मूल्य के प्लास्टिक के जुआ सिक्के, 52 पत्तों के 9 ताश के सेट तथा 9 मोबाइल फोन जब्त किए। पुलिस के अनुसार जब्त माल की कुल कीमत करीब 48,55,020 रुपये है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्त्रे, पुलिस उपायुक्त जोन-1 राहुल चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल तथा संबंधित अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई।

अपराध जांच शाखा की टीम में सुहास कांबले, अनिल शिंदे, प्रताप पंचुड़े, किरण विरकर, नामदेव देवकत्ते प्रवीण टोबरे, दीपक कुलकर्णी, अभिषेक मढवी, रवींद्र सोनावणे सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है।

संकट का भय दिखाकर महिला से 64 हजार के गहने लेकर चंपत

भिवंडी। टेमघर पाड़ा की एक 59 वर्षीय महिला को भगवान के नाम पर संकट आने का भय दिखाकर दो अज्ञात लोगों ने उसके करीब 64 हजार रुपये के सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। घटना 20 सितंबर की सुबह करीब 11:15 बजे भिवंडी-कल्याण रोड पर हुई। पुलिस के अनुसार, टेमघर पाड़ा निवासी महिला पैदल जा रही थी। इसी दौरान दो लोगों ने उसे रास्ते में रोककर कहा कि उस पर बड़ा संकट आने वाला है और भगवान से उससे गलती हुई है। आरोपियों ने महिला को रोजाना 15 बार जय माताजी का जाप करने की बात कहकर बातचीत में उलझा लिया। इसके बाद आरोपियों ने महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र और कानों के सोने के कर्णफूल उतरवाकर रूमाल में रखे। आरोपियों ने रूमाल को महिला के बैग में रखने का दिखावा किया और मौका पाकर आभूषण लेकर फरार हो गए। चोरी हुए आभूषणों की कीमत करीब 64 हजार रुपये बताई गई है। महिला की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएसआर के द्वारा ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल ने भारत में बढ़ाया सामुदायिक प्रभाव

मुंबई। वैश्विक शिक्षा मंच ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल ने भारत में अपनी सामाजिक दायित्व के तहत पिछले एक वर्ष में बच्चों, शिक्षा, पर्यावरण और सामुदायिक कल्याण से जुड़ी कई पहलें कीं हैं। संगठन के वैश्विक सीएसआर कार्यक्रम मोमेंटम के तहत स्थानीय कार्यक्रम, वैश्विक प्रभाव की सोच के साथ कर्मचारियों ने विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर योगदान दिया। मेक-ए-विश इंडिया के साथ साझेदारी में जनवरी से जुलाई 2026 के बीच 10 राज्यों के 17 अस्पतालों और देखभाल भागीदारों के माध्यम से गंभीर रूप से बीमार 100 बच्चों की इच्छाएं पूरी करने में सहयोग दिया गया। इनमें 72 बच्चे कैंसर का उपचार करा रहे थे। कई इच्छाएं बच्चों को उपचार के दौरान परिवार और शिक्षा से जुड़े रहने में सहायता करने पर केंद्रित थीं, जिनमें लैपटॉप, फोन और टैबलेट शामिल थे। अन्य इच्छाओं में शतरंज ग्रैंडमास्टर से मुलाकात और डॉक्टर की भूमिका का अनुभव करना शामिल रहा। दिसंबर 2025 में स्नेहसदन के साथ आयोजित क्रिसमस दान अभियान में 216 कर्मचारियों ने भाग लिया और अनाज, दाल व चाय सहित 537 किलोग्राम नोंन पेरिशेबल खाद्य सामग्री एकत्र की। यह सामग्री मुंबई के जरूरतमंद समुदायों के लिए उपलब्ध कराई गई।

अक्टूबर 2025 में कनेक्टफॉर के साथ आर्टशाला पहल के तहत कर्मचारियों ने एक स्कूल की कई कक्षाओं में रंग-रोगन कर बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार किया। जून 2026 में लगभग 50 कर्मचारियों ने कनेक्टफॉर के साथ बीच सफाई अभियान में भाग लिया, जिसके लिए ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल की टीम को बेस्ट टीम परफॉरमेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

भायंदर में अवैध गावठी शराब भट्ठी पर एंटी नारकोटिक्स सेल-1 की छापेमारी

185 लीटर कच्चा घोल, 12 लीटर हाथ से बनी शराब सहित 16,450 का सामान जब्त; आरोपी फरार

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की एंटी नारकोटिक्स सेल-1 ने भायंदर पश्चिम के मोरवा गांव क्षेत्र में अवैध रूप से हाथ से बनाई जाने वाली गावठी शराब की भट्ठी पर छापा मारकर कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और तैयार गावठी शराब सहित कुल 16,450 का माल जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, एंटी नारकोटिक्स सेल-1 को सूचना मिली थी कि भायंदर पश्चिम के मोरवा गांव की सीमा से लगे कंदला वन क्षेत्र के दलदली इलाके में अवैध रूप से गावठी शराब तैयार की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा। वहां जलते हुए चूल्हे पर लोहे का बैरल रखा मिला। तलाशी के दौरान बैरल में

एल्युमिनियम की नली, प्लास्टिक ड्रम तथा शराब तैयार करने के लिए इस्तेमाल होने वाला करीब 185 लीटर कच्चा घोल बरामद हुआ। इसके अलावा एक प्लास्टिक के डिब्बे से करीब 5 लीटर हाथ से बनी शराब भी मिली। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही भायंदर पश्चिम के उत्तान रोड निवासी अनिल हरिश्चंद्र भोइर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

कार्रवाई के दौरान शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाला करीब 200 लीटर घोल, एल्युमिनियम का सामान, 200 लीटर क्षमता के दो खाली नीले ड्रम तथा 12 लीटर गावठी शराब जब्त की गई। जब्त सामग्री की कुल कीमत 16,450 रुपये बताई गई है। इस मामले में भायंदर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 449/2026 के तहत महाराष्ट्र निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 65(ई) और 65(एफ) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच भायंदर पुलिस द्वारा की जा रही है और फरार आरोपी की तलाश जारी है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्त्रे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे तथा छठे पुलिस उपायुक्त (खुलासा) गोंदूराम बांगर के मार्गदर्शन में की गई। एंटी नारकोटिक्स सेल-1 के प्रभारी समीर शेख, सैपोनी किशोर धायगुडे तथा पुलिस कर्मचारियों पुष्पेंद्र थापा, धनजी इंगले, विजय लवटे, रोहन बाबर और प्रतीक गोडगे ने कार्रवाई में भाग लिया।

गणेश मंडलों में पहुंचे भाजपा नेता राजेश मिश्रा, लिया बाप्पा का आशीर्वाद

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यकारिणी सदस्य राजेश मिश्रा ने मीरा-भायंदर शहर के विभिन्न सार्वजनिक गणेश मंडलों में पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन एवं विधिवत पूजन किया। इस दौरान उन्होंने बाप्पा के चरणों में शहरवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। राजेश मिश्रा की इस दर्शन यात्रा में भाजपा जिला सचिव धीरेन्द्र मिश्रा एवं बिहार प्रकोष्ठ महिला जिला अध्यक्ष रेश्मि मिश्रा भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। सभी पदाधिकारियों ने विभिन्न गणेश मंडलों में पहुंचकर गणपति बाप्पा के दर्शन किए तथा मंडल के कार्यकताओं से मुलाकात कर गणेशोत्सव की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर गणेश मंडलों में उत्साह और भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। भाजपा पदाधिकारियों ने मंडल कार्यकताओं के साथ गणेशोत्सव आयोजन को लेकर चर्चा की और बाप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

राजेश मिश्रा ने कहा कि गणेशोत्सव आपसी भाईचारे, श्रद्धा और सामाजिक एकता का पर्व है। इस पावन अवसर पर सभी के जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि आए, यही गणपति बाप्पा से प्रार्थना है। दर्शन यात्रा के दौरान गणेश मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भाजपा नेताओं का स्वागत किया और गणेशोत्सव की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।

एकता के राजा के दरबार में सैकड़ों महिलाओं का सम्मेलन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। धामणकर नाका मित्र मंडल के गणेशोत्सव में सोमवार शाम एकता के राजा के दरबार में एकल महिलाओं के सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तहसीलदार अभिजित खोले, अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, चिकित्सा अधिकारी डॉ. बुशरा सैयद, समाज कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त सुधीर गुरव, विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले तथा महिला एवं बाल कल्याण विकास विभाग के तालुका सहायक संरक्षण अधिकारी प्रदीप सोलसे ने महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी। मिलिंद पलसुले ने बताया कि शासन स्तर पर एकल महिलाओं का सर्वेक्षण शुरू किया गया है। भिवंडी मनपा क्षेत्र में

भी यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आंगनवाड़ी सेविकाओं के माध्यम से एकल महिलाओं की जानकारी ऑनलाइन संकलित की जा रही है। उन्होंने महिलाओं से आगे आकर अपनी जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। तहसीलदार अभिजित खोले ने सेवा संकल्प की संकल्पना समझाते हुए महिलाओं से उपलब्ध सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके ने कहा कि सर्वेक्षण के माध्यम से एकल महिलाओं को भविष्य में रोजगार, स्वरोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने एकल महिलाओं को एकजुट करने की पहल के लिए धामणकर नाका मित्र मंडल का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. बुशरा सैयद और प्रदीप सोलसे ने भी महिलाओं से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। सम्मेलन में सैकड़ों एकल महिलाएं और आशा सेविकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन मानसी राजे ने किया। मंडल पदाधिकारियों में ईश्वर पामु, संजय भोईर और नंदन गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया।

अंतरजातीय विवाह करने वाले दंपतियों के घर पहुंचा आशीर्वाद का दीपक

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश

पालघर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक समरसता, भाईचारे और जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर वैवाहिक जीवन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला परिषद पालघर के समाज कल्याण विभाग द्वारा ह्यसेवा संकल्प अभियानह्व के तहत अंतरजातीय विवाह करने वाले दंपतियों के घर पहुंचकर आशीर्वाद का दीपक प्रज्वलित करने की अनूठी पहल की गई। उमरोली और टेंभोडे में दो दंपतियों के घर पहुंचकर उनका अभिनंदन किया गया तथा उनके सुखी वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

पालघर तहसील के उमरोली निवासी पूजा कोरडे (अनुसूचित जनजाति) और प्रवीण गावड (ओबीसी) ने अंतरजातीय विवाह किया है। समाज कल्याण विभाग, जिला परिषद पालघर की ओर से इस दंपति को अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत 50 हजार रुपये का अनुदान दिया गया है। विभाग के अधिकारियों ने उनके घर पहुंचकर आशीर्वाद का दीपक प्रज्वलित किया और दंपति का अभिनंदन किया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने दंपति से

बातचीत कर अंतरजातीय विवाह के बाद के उनके अनुभवों की जानकारी ली। साथ ही सेवा संकल्प अभियान तथा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इसके बाद पालघर के टेंभोडे निवासी गौरव कुडू (ओबीसी) और सपना घाटाल (आदिवासी) के घर भी अधिकारियों ने पहुंचकर आशीर्वाद का दीपक प्रज्वलित किया। इस दंपति को भी अंतरजातीय विवाह योजना के तहत 50 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। दंपति ने बताया कि अनुदान प्राप्त करते समय उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। साथ ही अंतरजातीय विवाह के कारण समाज की ओर से भी किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई और वे वर्तमान में आनंदपूर्वक पारिवारिक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

जिला परिषद पालघर की ओर से बताया गया कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से अधिकारी एवं कर्मचारी शासकीय योजनाओं का लाभ लेने वाले नागरिकों तक प्रत्यक्ष पहुंच रहे हैं। लाभार्थियों के घर जाकर उनके अनुभव जानना, आवश्यक मार्गदर्शन करना तथा सामाजिक समरसता एवं भाईचारे को बढ़ावा देने वाले उपक्रमों को प्रोत्साहित करना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक लतिका भाकरे तथा श्वेता राऊत सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भगेरिया इंडस्ट्रीज में रक्तदान शिविर आयोजित, 51 यूनिट रक्त संग्रहित

◆रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के सहयोग से आयोजित शिविर में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक किया रक्तदान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मानव सेवा एवं सामाजिक जिम्मेदारी के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के सहयोग से मंगलवार 22 सितंबर 2026 को भगेरिया इंडस्ट्रीज के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले इस शिविर में कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कुल 51 यूनिट रक्तदान किया। शिविर का आयोजन रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य के मार्गदर्शन में किया गया। परियोजना के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ. पराग कुलकर्णी तथा परियोजना प्रभारी एवं तत्कालीन अध्यक्ष राम नारायण गोयल के सक्रिय प्रयासों से रक्तदान शिविर

सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर भगेरिया इंडस्ट्रीज के दिनेश भगेरिया, मुरारीलाल गुप्ता एवं पृथ्वीराज मालव की उपस्थिति रही। वहीं कृष्ण कैलाश सिंह ने भी सक्रिय सहभागिता करते हुए रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य, पूर्व अध्यक्ष डॉ. पराग कुलकर्णी, पूर्व अध्यक्ष स्वामीनाथ पांडेय, रोटेरियन शैलेश अग्रवाल एवं रोटेरियन मुकेश भाटिया सहित रोटरी क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं एवं उपस्थित अतिथियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही रक्त संग्रह करने वाली टीम एवं अतिथियों के लिए दोपहर के भोजन की भी व्यवस्था आयोजकों की ओर से की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भगेरिया इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ अधिकारी मुरारीलाल गुप्ता ने सभी रक्तदाताओं, रोटरी क्लब के सदस्यों, सहयोगकताओं तथा आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी सहायता उपलब्ध कराने का माध्यम ही नहीं, बल्कि समाज में मानवता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कार्य है। शिविर में रक्तदाताओं के उत्साह तथा भगेरिया इंडस्ट्रीज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता के चलते कुल 51 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। आयोजन के माध्यम से कंपनी एवं रोटरी क्लब ने सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अटल आवासीय विद्यालय बना वरदान, जौनपुर की जाह्नवी का संवर रहा भविष्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी अटल आवासीय विद्यालय योजना श्रमिक एवं गरीब परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा का नया अवसर लेकर आई है। जौनपुर की छात्रा जाह्नवी इस योजना का लाभ उठाकर अपने भविष्य को नई दिशा दे रही हैं।

जौनपुर की रहने वाली जाह्नवी वर्तमान में अटल आवासीय विद्यालय, करसड़ा, वाराणसी में कक्षा 11वीं की छात्रा हैं। उनके पिता राजगीर मिस्त्री हैं और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। आर्थिक परिस्थितियों के कारण जाह्नवी के लिए बेहतर शिक्षा हासिल करना आसान नहीं था। इसी बीच जौनपुर में आयोजित अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सफल होकर उन्हें विद्यालय में पढ़ने का अवसर मिला।

जाह्नवी ने बताया कि विद्यालय में उन्हें निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ भोजन, आवास, कपड़े, किताबें, खेलकूद और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी जाती है।

उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित अटल आवासीय विद्यालय ने हम जैसे श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा का नया अवसर दिया है। यहां मिलने वाली सुविधाओं से पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।' जाह्नवी का कहना है कि अटल आवासीय विद्यालय उनके जैसे गरीब श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यहां शिक्षा और आत्मविश्वास के साथ उन्हें अपने सपनों को पूरा करने की राह भी मिल रही है।

महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के तत्वावधान में आर.के. साहू जूनियर हाई स्कूल में महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ ही उन्हें आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकों से परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम में ताइक्वांडो प्रशिक्षक प्राची सिंह एवं सौम्य विश्वकर्मा ने छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों और आवश्यक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षकों ने बालिकाओं को आत्मविश्वास के साथ परिस्थितियों का सामना करने, सतर्क रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर स्वयं की सुरक्षा करने के महत्वपूर्ण गुर सिखाए।

इस अवसर पर फर्स्ट लेडी एकता गुप्ता एवं विद्यालय प्रबंधक प्रियंका गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। संस्था के सचिव आशीष गुप्ता ने महिला सुरक्षा एवं जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ आत्मरक्षा के प्रति भी जागरूक होना आवश्यक है।

कार्यक्रम के कोषाध्यक्ष राजेंद्र स्वर्णकार ने अतिथियों, प्रशिक्षकों, विद्यालय परिवार एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं जोन चेयरपर्सन डॉ. राजेश मौर्य की भी कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति रही। संस्था के सदस्य रवि गुप्ता ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने में उपयोगी हैं।

शाही किले का नाम बदलना ऐतिहासिक विरासत से खिलवाड़ः आरिफ हबीब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव एवं व्यापार मंडल के जिला महामंत्री आरिफ हबीब ने जौनपुर के ऐतिहासिक शाही किले का नाम बदलकर केवल 'जौनपुर किला' किए जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरों के नाम उनकी पहचान और इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। ऐसे नामों में बदलाव करना जौनपुर की सांस्कृतिक साझी विरासत और ऐतिहासिक पहचान के साथ खिलवाड़ है।

आरिफ हबीब ने कहा कि जौनपुर का शाही किला केवल ईंट-पत्थरों से बनी इमारत नहीं, बल्कि शहर के गौरवशाली इतिहास, स्थापत्य कला और सदियों पुरानी गंगा-जमुनी तहजीब का महत्वपूर्ण प्रतीक है। ऐसे ऐतिहासिक स्थलों के नाम बदलने के बजाय उनके इतिहास और महत्व को संरक्षित एवं प्रचारित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इतिहास को बदला नहीं जा सकता, बल्कि उससे सीखा जा सकता है। आने वाली पीढ़ियों को अपने शहर की वास्तविक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जौनपुर की पहचान उसकी साझी संस्कृति, भाईचारे, साहित्य, संगीत, स्थापत्य कला और ऐतिहासिक विरासत से बनी है। सरकार को चाहिए कि ऐतिहासिक नामों में बदलाव करने के बजाय शाही किले समेत जिले की अन्य ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और पर्यटन विकास पर ठोस कार्य करे। आरिफ हबीब ने कहा कि जौनपुर की ऐतिहासिक विरासत किसी एक वर्ग या समुदाय की नहीं, बल्कि पूरे जौनपुर और देश की साझा धरोहर है। इसके नाम और इतिहास के साथ किसी भी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

स्कूल की मैजिक से कुचलकर साढ़े तीन वर्षीय मासूम की मौत

हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार, बहनों की चीख-पुकार से मचा हड़कंप

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के पचवर गांव में मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे दर्दनाक हादसे में स्कूल की मैजिक की चपेट में आने से साढ़े तीन वर्षीय मासूम आरव गौड़ पुत्र सुनील गौड़ की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

बताया गया कि आरव अपने घर के सामने खेल रहा था। इसी दौरान ग्राम मीरपुर स्थित एकेएस एकेडमी की पीले रंग की मैजिक संख्या यूपी62 बीटी 3956 की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से घायल मासूम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आरव की बड़ी बहनें माही और प्राची इसी स्कूल में पढ़ती हैं। भाई को वाहन के नीचे दबा देखकर दोनों बहनें चीखने-चिल्लाने लगीं। आरोप है कि हादसे के बाद चालक मैजिक को स्कूल की ओर

ले गया और परिसर में वाहन खड़ा कर फरार हो गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल मैजिक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फरार चालक की तलाश की जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल प्रबंधन में भी हड़कंप मच गया। बताया गया कि स्कूल संचालक भी मौके से चला गया। मामले की जानकारी प्रधानाचार्या को दी गई।

मासूम की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। मां ज्योति का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे की मौत से परिजनों के करुण विलाप से माहौल गमगीन हो गया।

क्षेत्राधिकारी गिरेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। दुर्घटना में शामिल मैजिक को कब्जे में ले लिया गया है। आरोपी चालक फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

सिपाही अभिषेक सिंह की मौत मामले में पूर्व थाना प्रभारी की भूमिका की होगी जांच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाने में तैनात 2025 बैच के सिपाही अभिषेक सिंह की मौत के मामले में अब पूर्व थाना प्रभारी और निलंबित उपनिरीक्षक दिव्य प्रकाश सिंह की भूमिका की उच्चस्तरीय विभागीय जांच होगी। मामले को गंभीरता से लेते हुए वाराणसी परिक्षेत्र के डीआईजी वैभव कृष्ण ने जांच के निर्देश दिए हैं। सिपाही की मौत के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। विभागीय जांच में पूर्व थाना प्रभारी की भूमिका, घटना से जुड़े परिस्थितियों और अन्य संबंधित पहलुओं की जांच की जाएगी। डीआईजी के निर्देश के बाद मामले की जांच को लेकर पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई है।

क्लीनिक पर पथराव व मारपीट के मामले में चार गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज थाना क्षेत्र के छिमिया गांव में क्लीनिक पर पथराव, गाली-

गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, अपराध की रोकथाम एवं आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थानाध्यक्ष अमित कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक मनोज कुमार सिंह व पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने मामले में शैलेष कुमार चौबे उर्फ वीरू चौबे (19), प्रवेश चौबे (26), अनुज दूबे (21) और मनीष चौबे (20) को गिरफ्तार किया।

चारों आरोपितों के विरुद्ध थाना सुजानगंज में मु.अ.सं. 329/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 115(2), 352, 351(2) एवं 324(4) में मुकदमा दर्ज है।

गिरफ्तार आरोपितों में शैलेष कुमार चौबे उर्फ वीरू चौबे निवासी सुल्तानपुर, प्रवेश चौबे निवासी नरहरपुर, अनुज दूबे निवासी भटौली थाना तेजीबाजार तथा मनीष चौबे निवासी बरहूपुर थाना महराजगंज शामिल हैं। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अमित कुमार पाण्डेय, उपनिरीक्षक मनोज कुमार सिंह, कांस्टेबल विकेश चौहान, कांस्टेबल रामकुमार यादव और कांस्टेबल बृजनन्दन अहिरवार शामिल रहे।

शराब अधिक सेवन करने से वृद्ध की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद नगर पंचायत के नावघाट मुहल्ले में एक 70 वर्षीय वृद्ध की लाश मिली। लाश मिलने की सूचना पर स्थानीय लोग जमा हो गए। मृतक हीरालाल निषाद कस्बे के ही काजी अहमदनूर मुहल्ले के निवासी था। घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष कमलनयन दूबे मय फोर्स मौके पर पहुंच गए। घटना स्थल पर मृतक की बहू पूनम निषाद पत्नी घनश्याम निषाद भी पहुँच गयी। उसने बताया कि प्रतिदिन की तरह वह बाजार गए थे शराब का ज्यादा सेवन करते थे। अत्यधिक शराब से ही इनकी मौत हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद वास्तविकता का पता चल जाएगा। तब अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी हालांकि के कस्बे के लोग भी मृतक के अधिक शराब पीने को लेकर चर्चा कर रहे है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में 17 सितंबर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को जनपद के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों को स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। महिलाओं को नियमित स्नान, साबुन से हाथ धोने, साफ कपड़े पहनने तथा स्वच्छ पेयजल का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर भी चर्चा की गई। महिलाओं को हरी सब्जियां, दाल, दूध एवं अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को दैनिक आहार में शामिल करने की सलाह दी गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयरन एवं फोलिक एसिड के सेवन के संबंध में भी जानकारी दी गई।

गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच, समय से आवश्यक टीकाकरण, चिकित्सकीय परामर्श और संस्थागत प्रसव के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही परिवार नियोजन तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने कहा कि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ पहुंचाना रहा।

आयोग ने जारी किया यूपी में स्नातक व शिक्षक एमएलसी के लिए चुनाव के लिए टाइमटेबल

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया है। आयोग की ओर से 22 सितंबर को जारी प्रेस नोट के मुताबिक, इन सीटों पर 23 अक्तूबर 2026 को मतदान होगा। मतगणना 27 अक्तूबर को कराई जाएगी। आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, चुनाव की अधिसूचना 29 सितंबर को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 6 अक्तूबर निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 7 अक्तूबर को होगी, जबकि उम्मीदवार 9 अक्तूबर तक नाम वापस ले सकेंगे। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, मतदान 23 अक्तूबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक कराया जाएगा। इसके बाद 27 अक्तूबर को मतगणना होगी। चुनाव की पूरी प्रक्रिया 31 अक्तूबर 2026 तक पूरी कर ली जाएगी। दरअसल, यूपी की लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ और इलाहाबाद- झांसी स्नातक सीटों तथा लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली- मुरादाबाद और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीटों के सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इस कारण चुनाव की घोषणा की गई है। चुनाव कार्यक्रम के एलान के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

श्री राम सहाई रौनियार सर्वसम्मति से चुने गए रौनियार समाज के अध्यक्ष

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रौनियार समाज सोनभद्र की महत्वपूर्ण बैठक जनपद मुख्यालय स्थित संगम गुप्ता के आवास पर आयोजित हुई। बैठक में जिलेभर से समाज के वरिष्ठ सदस्य, व्यवसायी एवं समाजसेवी शामिल हुए। समाज को नई दिशा और गति देने के लिए नई कमेटी के गठन पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता प्रमुख व्यवसायी हनुमान दास गुप्ता ने की। चर्चा के दौरान पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष कृष्ण मुरारी गुप्ता ने समाज के बीच लगातार किए जा रहे कार्यों और समस्याओं के समाधान की जानकारी दी।

अध्यक्ष पद के लिए श्री राम सहाई रौनियार का नाम प्रस्तावित किया गया, जिस पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। करतल ध्वनि के बीच श्री राम सहाई रौनियार को रौनियार समाज सोनभद्र का अध्यक्ष चुना गया। वहीं संजय कुमार गुप्ता एवं संजीव कुमार गुप्ता को सर्वसम्मति से महामंत्री मनोनीत किया गया।

बैठक का संचालन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ व्यवसायी राजेश गुप्ता ने किया। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को

संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। संगम गुप्ता ने कहा कि समाज को गतिशील बनाने के लिए संरक्षण मंडल के साथ पूरी कमेटी का गठन किया जाना आवश्यक है।

अधिवक्ता शिवशंकर गुप्ता ने 7 अक्टूबर को सोनभद्र मुख्यालय पर हेमचंद विक्रमादित्य के राज्याभिषेक उत्सव के आयोजन का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया।

अध्यक्षता कर रहे हनुमान दास गुप्ता ने संरक्षण मंडल एवं नई कमेटी को बधाई देते हुए सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। अंत में समाज के संरक्षक रहे राजकुमार तरुण एवं रतन गुप्ता के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बैठक में डॉ. एके गुप्ता, शिवशंकर गुप्ता, श्रवण गुप्ता, श्याम जी गुप्ता, दयाशंकर गुप्ता, अशोक गुप्ता, राम जी गुप्ता, राजन गुप्ता, पूर्व प्रधान लक्ष्मी नारायण रौनियार, रमाशंकर रौनियार, जमुना प्रसाद, मनोज गुप्ता, सुरेश रौनियार, राजू गुप्ता, कमल गुप्ता, श्याम बिहारी रौनियार, अभिषेक गुप्ता, लक्ष्मण रौनियार समेत अनेक वरिष्ठ व्यवसायी, समाजसेवी एवं समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

बूंद-बूंद से बढ़ी पैदावार, तकनीक से बदली खेती की तस्वीर

ड्रिप सिंचाई से किसान अरुण कुमार सिंह की पैदावार में तीन से चार गुना तक वृद्धि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान अपनी खेती को अधिक लाभकारी बना सकते हैं। ग्राम मुरादपुर कुटीला निवासी किसान अरुण कुमार सिंह ने ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग तकनीक अपनाकर खेती में बेहतर परिणाम हासिल किए हैं।

उद्यान विभाग की 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना के तहत अरुण कुमार सिंह के खेत में ड्रिप इरिगेशन सिस्टम स्थापित किया गया है। इसके लिए उन्हें 90 प्रतिशत अनुदान का लाभ मिला। खेत में मल्चिंग तकनीक का भी प्रयोग किया जा रहा है।

किसान ने बताया कि ड्रिप सिंचाई के माध्यम से फसलों को उनकी आवश्यकता के अनुसार पानी और उर्वरक उपलब्ध कराया जाता है। वेंचुरी प्रणाली की मदद से पानी के साथ उर्वरक भी पौधों तक समान रूप से पहुंचता है। इससे पानी और उर्वरक की बबार्दी कम हुई है।

उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक अपनाने के बाद फसल की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और पहले की तुलना में पैदावार करीब तीन से चार गुना तक बढ़ी है। इससे खेती अधिक लाभकारी साबित हो रही है।

अरुण कुमार सिंह ने जनपद के किसानों से अपील की कि वे कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाएं और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि ड्रिप सिंचाई जैसी तकनीकों के माध्यम से पानी और उर्वरक का बेहतर उपयोग करते हुए कम संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही स्वस्थ समाज की मजबूत नींवः डॉ.रश्मि मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की ओर से सोमवार को आर.के. साहू जूनियर हाई स्कूल में महिला स्वास्थ्य जागरूकता एवं सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी देना रहा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि मौर्य ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित खान-पान और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करने और समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की।

मुख्य वक्ता सखी वेलफेयर की संस्थापक अध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने महिलाओं में बढ़ रही विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जागरूकता और समय पर उचित सावधानी बरतकर कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर खुलकर बात करने के लिए महिलाओं एवं किशोरियों को प्रेरित किया।

इस अवसर पर 40 महिलाओं एवं किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए तथा उन्हें मासिक धर्म स्वच्छता से संबंधित आवश्यक जानकारियां दी गईं।

कार्यक्रम में आर.के. साहू जूनियर हाई स्कूल की प्रबंधक प्रियंका गुप्ता ने अतिथियों, लायंस क्लब के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संस्था की फर्स्ट लेडी ऑफ द लायंस एकता गुप्ता की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, समय-समय पर जांच कराने और सही स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अपनाने का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के इस प्रयास की सराहना की।

खरीफ फसलों में कीट-रोगों का प्रकोप बढ़ने की आशंका, कृषि विभाग ने जारी की बचाव की सलाह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तापमान में उतार-चढ़ाव के चलते खरीफ फसलों में विभिन्न कीट एवं रोगों के प्रकोप की संभावना को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने किसानों से खेतों की नियमित निगरानी करने तथा फसल में लक्षण दिखाई देने पर समय से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की है।

कृषि विभाग के अनुसार अरहर एवं धान में पत्ती लपेटक कीट के प्रकोप में पीले रंग की सूड़ियां पौधे की ऊपरी पत्तियों को लपेटकर उनमें छिप जाती हैं और पत्तियों को नुकसान पहुंचाती हैं। इसके नियंत्रण के लिए क्लोरपाइरीफास 20 प्रतिशत ईसी का 1.250 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

धान के तना छेदक के प्रकोप से वानस्पतिक अवस्था में मृत गोभ तथा बाद में सफेद बालियां दिखाई देती हैं। नियंत्रण के लिए फिप्रोनिल 0.3 प्रतिशत की 20 किलोग्राम या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 प्रतिशत दानेदार चूर्ण की 17.18 किलोग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर प्रयोग करने की सलाह दी गई है।

धान के पत्तियों के भूरा धब्बा रोग में पत्तियों पर गहरे कत्थई रंग के गोल अथवा अंडाकार धब्बे बनते हैं। इसके चारों ओर हल्के पीले रंग का घेरा दिखाई देता है। इसके उपचार के लिए मैंकोजेब 75 प्रतिशत अथवा जिनेब 75 प्रतिशत की दो किलोग्राम मात्रा को 800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करने को कहा गया है। धान में शीथ झुलसा रोग के उपचार के लिए कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत की एक किलोग्राम मात्रा अथवा कार्बेन्डाजिम 500 ग्राम एवं मैंकोजेब 75 प्रतिशत 250 ग्राम को 800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

धान के जीवाणु झुलसा रोग में पत्तियों की नोक एवं किनारे सूखने लगते हैं। लक्षण दिखाई देने पर नत्रजन की टॉप ड्रेसिंग रोकने की सलाह दी गई है। उपचार के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत 500 ग्राम तथा स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट 90 प्रतिशत एवं टेट्रासाइक्लीन हाइड्रोक्लोराइड 10 प्रतिशत की 15 ग्राम मात्रा को 800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करने को कहा गया है।

उर्द एवं मूंग में पीला चित्रवर्ण रोग के लक्षण पत्तियों पर सुनहरे पीले चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं। रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करने तथा डाइमेथोएट 30 प्रतिशत ईसी की एक लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर 800 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

इसी प्रकार धान के फुदका कीट के शिशु एवं प्रौढ़ पौधों के किल्लों के बीच रहकर रस चूसते हैं। प्रकोप बढ़ने पर पत्तियों पर काली परत दिखाई दे सकती है और पौधों की वृद्धि प्रभावित होती है। इसके नियंत्रण के लिए नीम ऑयल 1.500 लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत की 250 मिलीलीटर मात्रा को 800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि किसी भी कीट या रोग के लक्षण दिखाई देने पर समय रहते नियंत्रण उपाय अपनाएं और फसल की नियमित निगरानी करते रहें।

गाजीपुर-छपरा रेलखंड पर डीआरएम का सघन निरीक्षण

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। गाजीपुर सिटी से छपरा तक रेलखंड पर मंगलवार को मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, संरक्षा, स्वच्छता और रेल परिचालन की व्यवस्थाओं को परखा। उन्होंने स्टेशनों, समपारों, गुड्स शेड और निमार्णाधीन रेलवे आवासीय परिसर का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था में खामियां मिलने पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए। छपरा जंक्शन पर अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। पार्किंग, सकुर्लेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज, यात्री आवागमन और सेकेंड एंट्री का निरीक्षण कर कार्यों को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने को कहा। पार्किंग और यात्री आवागमन को इस तरह व्यवस्थित करने पर जोर दिया कि भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति न बने। सुरेमनपुर, बकुल्हा और गाजीपुर घाट स्टेशनों पर पैनल रूम, संरक्षा उपकरणों और महत्वपूर्ण रजिस्टरों की जांच की गई। स्टेशन मास्टरों से सुरक्षित ट्रेन संचालन की जानकारी लेने के साथ प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय और सकुर्लेटिंग एरिया की व्यवस्थाएं भी परखी गईं। स्वच्छता और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

ढोढ़डीह-यूसुफपुर के बीच समपार संख्या 14-सी/2ई पर गेटमैन संजय सिंह से आपात स्थिति में ट्रेन रोकने की प्रक्रिया और संरक्षा ज्ञान की जानकारी ली गई। संतोषजनक जवाब पर डीआरएम ने उत्साहवर्धन के लिए ?2000 पुरस्कार देने की घोषणा की। वहीं 25-सी और 8-सी/2ई समेत अन्य समपारों पर बूम, स्पीड ब्रेकर, सफाई और गेटमैन की संरक्षा व्यवस्था जांची गई। गौतम स्थान गुड्स शेड में माल की लोडिंग-अनलोडिंग, सुरक्षित रख-रखाव, प्रकाश और स्वच्छता व्यवस्था देखी गई। गाजीपुर घाट में निमार्णाधीन रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण कर आवासों का निर्माण मानकों के अनुरूप समय से पूरा कराने और कार्य पूर्ण होते ही कर्मचारियों को आवंटित करने के निर्देश दिए। गाजीपुर घाट स्टेशन पर ड्रेन पाइप में लीकेज मिलने पर उसे तत्काल ठीक कराने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षित ट्रेन संचालन, संरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन और यात्रियों को स्वच्छ-सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

एचएमएसआई ने होंडा क्यूसी3, होंडा सीबी500 और रिफ्रेश्ड होंडा सीबी350 रेंज की कीमतों की घोषणा की

पटना। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नई होंडा क्यूसी3, होंडा सीबी500 और रिफ्रेश्ड होंडा सीबी350 रेंज की कीमतों की घोषणा की। सीबी350 रेंज में सीबी350, सीबी350आरएस और सीबी350सी शामिल हैं। होंडा क्यूसी3 की कीमत 1,35,000 रुपए (एक्स-शोरूम, नई दिल्ली) रखी गई है। इसमें 145 किमी आईडीसी सर्टिफाइड रेंज, कनेक्टेड टेक्नोलॉजी और 32-लीटर स्टोरेज मिलता है। इसे शुरूआत में दिल्ली, आगरा, कटक, सूरत और कोल्लम की चुनिंदा होंडा रेड विंग डीलरशिप पर उपलब्ध कराया जाएगा। होंडा सीबी500 की कीमत एलॉय व्हील्स वेरिएंट के लिए 2,75,000 रुपए, स्पोक ट्यूबलेस के लिए 2,99,900 रुपए और स्ट्राइप वाले स्पोक ट्यूबलेस वेरिएंट के लिए 3,01,900 रुपए (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) है। यह देशभर की होंडा बिगविंग डीलरशिप पर उपलब्ध होगी। रिफ्रेश्ड होंडा सीबी350 रेंज की कीमत 1,95,200 रुपए (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) से शुरू होती है। इसमें सीबी350, सीबी350आरएस और सीबी350सी शामिल हैं। रेंज में कलर अपडेट किए गए हैं, जबकि मैकेनिकल बदलाव नहीं किए गए हैं। डिलीवरी 21 सितंबर 2026 से शुरू हो गई है। सभी पांच प्रोडक्ट्स की 5,000 रुपए बुकिंग राशि के साथ बुकिंग शुरू हो गई है। ग्राहक एचएमएसआई वेबसाइट या संबंधित अधिकृत डीलरशिप के माध्यम से बुकिंग कर सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान में चमकीं सोनभद्र की प्रतिभाएं, उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र-401 स्थित होटल डीआर ड्रीम में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिभावान लोगों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद के प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा और समाज कल्याण मंत्री संजीव कुमार गौड़ रहे, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने की। अतिथियों ने प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और समाजहित में निरंतर योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

वक्ताओं ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतिभाओं का सम्मान समाज में सकारात्मक कार्यों को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री अजीत रावत, क्षेत्रीय मंत्री रामसुंदर निषाद, कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, एसटी मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष शीतला आचार्य, पूर्व चेयरमैन कृष्णमुरारी गुप्ता, नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, जिला सह मीडिया प्रभारी अमन मौर्या, नगर महामंत्री अनुपम तिवारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में अभिषेक गुप्ता, धीरेन्द्र पांडेय, आलोक रावत, देव मिश्रा, नन्दलाल विश्वकर्मा, मंजु गिरि, पुष्पा सिंह, प्रमिला जायसवाल, कंचन किरण त्रिपाठी और गुड़िया त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। अंत में उपस्थित लोगों ने सेवा, समर्पण और समाज के प्रति अपने दायित्वों को ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

सेवा संकल्प अभियान में चमकीं सोनभद्र की प्रतिभाएं, उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र-401 स्थित होटल डीआर ड्रीम में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिभावान लोगों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद के प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा और समाज कल्याण मंत्री संजीव कुमार गौड़ रहे, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने की। अतिथियों ने प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और समाजहित में निरंतर योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। वक्ताओं ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रतिभाओं का सम्मान समाज में सकारात्मक कार्यों को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री अजीत रावत, क्षेत्रीय मंत्री रामसुंदर निषाद, कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, एसटी मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष शीतला आचार्य, पूर्व चेयरमैन कृष्णमुरारी गुप्ता, नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, जिला सह मीडिया प्रभारी अमन मौर्या, नगर महामंत्री अनुपम तिवारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में अभिषेक गुप्ता, धीरेन्द्र पांडेय, आलोक रावत, देव मिश्रा, नन्दलाल विश्वकर्मा, मंजु गिरि, पुष्पा सिंह, प्रमिला जायसवाल, कंचन किरण त्रिपाठी और गुड़िया त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। अंत में उपस्थित लोगों ने सेवा, समर्पण और समाज के प्रति अपने दायित्वों को ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

ॐ साईं मित्र मंडल द्वारा श्री गणपति बप्पा की धूमधाम से विदाई

मुंबई। विक्रोली पार्क साइट के हनुमाननगर में ॐ साईं मित्र मंडल द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी गणेशोत्सव का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। सात दिनों तक श्री गणपति बप्पा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना, आरती एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके पश्चात भक्तों ने ढोल-नगाड़ों और जयघोष के साथ बप्पा को भावपूर्वक विदाई दी।

गणेशोत्सव के दौरान स्थानीय नगरसेवक सुनील सयाजी मोरे, श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों का मंडल की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में मंडल के अध्यक्ष हीरालाल गुप्ता, कार्याध्यक्ष हेमंत मांजरेकर, सचिव रविंद्र सावंत, कोषाध्यक्ष दीपक पोरलेकर, धनंजय सुर्वे, सुरेश नायक, महेश मांजरेकर, पूर्व अध्यक्ष वरुण कुमार चौबे, अल्पेश रावल, जोसेफ पुष्पराज, संतोष केलसकर, उपाध्यक्ष जवाहरलाल यादव, चंद्रशेखर यादव, वरिष्ठ सलाहकार दिनेश सिंह, जॉन पुष्पराज, पत्रकार आदेश मिश्र, अरविंद शुक्ला, बाबल पेडणेकर, सागर पाल, संजय मिश्रा, सीताराम जोशी, जाउल यादव सेठ, रामदास तोतरे, जयप्रकाश यादव, मनीराम यादव, महेंद्र पुरोहित सहित मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके अलावा सदस्य दिनेश यादव, पंकज सिंह, आशीष मिश्रा, खालीद शेख, सूरज चीकवा, शिवम चौरसिया, अजय कांबले, बिपिन यादव, हनुमंत कालुनदेरकर, गुरु राज आचार्य, राजा आचार्य, अनीस खान,महेश गुप्ता तथा मार्गदर्शक डॉ. अतुल मेहता सहित सभी भक्तों ने दिन-रात बप्पा की सेवा में समर्पित होकर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। मंडल के मार्गदर्शक रहे पूर्व नगरसेवक स्वर्गीय सुधीर सयाजी मोरे,लोकप्रिय समाजसेवी स्वर्गीय चंद्रशेखर शुक्ल,संतोष हुगे,स्वर्गीय केशव जोशी, एवं स्वर्गीय किशोर पेडणेकर की प्रेरणा से गणेशोत्सव का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भक्तों ने अगले वर्ष पुनः बप्पा के आगमन की कामना के साथ भावपूर्वक विदाई दी।

80 से अधिक रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स पर केस-बाय-केस निर्णय के निर्देश

वसई-विरार। वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में 80 से अधिक रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के निर्माण पर लगी रोक के मामले में विधायक राजन नाईक की पहल के बाद 21 सितंबर को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी असीम गुप्ता की अध्यक्षता में विशेष बैठक हुई। बैठक में वास्तविक निवासियों और खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए प्रत्येक प्रोजेक्ट की अलग-अलग जांच कर निर्णय लेने तथा पात्र मामलों में फाइनल अथवा पार्टियल डउ पर विचार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही दोषी बिल्डरों, आर्किटेक्ट्स और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए।बैठक में वसई-विरार में करीब 1500 एकड़ सरकारी जमीन पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए रऐ विकसित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। टटपऌअ को ठक्मक्क-क्कळ की बाढ़ नियंत्रण रिपोर्ट के आधार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करने के निर्देश दिए गए।

बाबा दुबे की जन गण विश्वास पदयात्रा में गूंजा हर हर महादेव

जौनपुर। बदलापुर विधानसभा के पूर्व विधायक बाबा दुबे द्वारा पूरे विधानसभा में शुरू की गई जन गण विश्वास पदयात्रा अब पूरे उफान पर दिखाई दे रहा है। पूरी तरह से गैर राजनीतिक इस ऐतिहासिक यात्रा को हर वर्ग और हर जाति के लोगों को खुला समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है। बदलापुर थाना अंतर्गत महमदपुर गुलरा गांव में आज गुलरेश्वर महादेव मंदिर से इस यात्रा का शुभारंभ हुआ जो पूरे गांव में हर घर, हर दरवाजे से होते हुए वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे के घर समाप्त हुई। ब्राह्मण बस्ती के अलावा निषाद बस्ती, यादव बस्ती, धोबी बस्ती और हरिजन बस्ती में इस यात्रा का अच्छा प्रतिसाद देखने को मिला। अनेक लोगों ने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है जब उनके दरवाजे पर किसी बड़े नेता का आगमन हुआ हो। सुबह 9:30 बजे गुलरेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे बाबा दुबे ने सबसे पहले भगवान शंकर, मां दुर्गा और हनुमान जी की मूर्ति को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर डॉ श्रीपाल पांडे, राम अनंद पांडे, भगवती प्रसाद पांडे, डॉ सुभाष चंद्र पांडे, प्रेम प्रकाश दुबे, शिवपूजन पांडे, प्रवेश पांडे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेश यादव, समाजसेवी दयाशंकर तिवारी, दीपक मिश्रा, प्रमोद सनातनी, राजेश तिवारी, संजय तिवारी, विपिन तिवारी, सोनू सिंह समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। पदयात्रा के दौरान वरिष्ठ पत्रकार मंगलेश्वर (मुन्ना);त्रिपाठी, पूर्व प्रधान राहुल तिवारी, संजय यादव आदि पदयात्रा में शामिल हुए। जहां तक इस पदयात्रा का सवाल है, बाबा दुबे अब तक करीब 400 किलोमीटर की यात्रा कर चुके हैं। वह करीब 40 गांव के लोगों से व्यक्तिगत मुलाकात कर चुके हैं। बाबा दुबे का मानना है कि पदयात्रा से हर व्यक्ति उनसे जुड़ रहा है और वह हर व्यक्ति के परिसर से जुड़ी समस्याओं से अवगत हो रहे हैं।

चित्रसेन पाठक के निवास पर गणपति बप्पा के दर्शन, गणमान्य लोगों ने लिया आशीर्वाद

मुंबई। पवई के हीरानंदानी स्थित चित्रसेन रामबिलास पाठक के निवास पर विराजमान श्री गणपति बप्पा के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक गणमान्य लोग पहुंचे।इस अवसर पर विधायक दिलीप मामा लांडे, मुंबई फायर ब्रिगेड के चीफ कमिश्नर आत्माराम मिश्रा, एडवोकेट जयप्रकाश शेट्टी, त्रिभुवन डेयरी के अधिष्ठाता उद्योगपति श्रीप्रकाश पांडेय, कांग्रेस नेता चंद्रेश दुबे,पत्रकार पवन पाठक, पत्रकार संतोष पाठक, नेहा भानुशाली, मुस्कान खान चंदानी, प्रशांत कपाड़िया, डॉ. आशीष दामा, सत्यजीत सिन्हा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सभी अतिथियों ने विधिवत श्री गणपति बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा आयोजकों को धार्मिक आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके उपरांत श्री गणपति बप्पा का धूमधाम एवं श्रद्धापूर्वक विसर्जन किया गया। इस दौरान भक्तों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

वसई-विरार के विकास और अतिरिक्त एफएसआई मुद्दे पर अहम बैठक

मुंबई। वसई-विरार के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी असीम गुप्ता की अध्यक्षता में मुंबई में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने ऑनलाइन हिस्सा लिया, जबकि नालासोपारा विधायक राजन नाइक सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में वसई-विरार में सरकारी जमीन के पर्यावरण-अनुकूल और सस्टेनेबल विकास पर चर्चा हुई। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि क्षेत्र में तेजी से हो रहे शहरीकरण के बीच सड़क, ट्रांसपोर्ट, पार्किंग, बारिश के पानी की निकासी और पर्यावरण जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। उन्होंने सरकारी जमीन के इस्तेमाल में केवल कमर्शियल निर्माण के बजाय सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने की मांग रखी। उन्होंने वसई-विरार में हर साल सामने आने वाली बाढ़ की समस्या के समाधान के लिए फ्लड-होल्डिंग तालाब, अर्बन लेक और ग्राउंडवॉटर रिचार्ज जैसी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने की मांग की। इसके अलावा बायोडायवर्सिटी पार्क, डिजास्टर मैनेजमेंट एवं एनवायरनमेंटल रिसर्च सेंटर, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इंडोर स्टेडियम, थिएटर, मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, रिसर्च सेंटर, मल्टी-लेवल पार्किंग और पब्लिक पार्क जैसी सुविधाओं पर भी विचार करने की मांग की गई।

बैठक में वसई-विरार में अतिरिक्त एफएसआई के इस्तेमाल का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इस मामले में वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग की। उनके अनुसार, जुलाई 2024 में मनपा आयुक्त द्वारा बढ़े हुए ऋक को लेकर सरकार से मार्गदर्शन मांगा गया था, जबकि जनवरी 2025 में उसी अतिरिक्त एफएसआई के आधार पर डेवलपर्स को उउ मंजूर किए गए।

उन्होंने अतिरिक्त ऋक के आधार पर मंजूर की गई इमारतों की पूरी सूची वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर सार्वजनिक करने की मांग की। उनके अनुसार, ऐसी इमारतों की संख्या पहले बताई गई 88 से अधिक होकर लगभग 250 हो सकती है। उन्होंने मामले में जिम्मेदार अधिकारियों, डेवलपर्स और आर्किटेक्ट्स की भूमिका की जांच की मांग भी रखी।

रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में रहने वाले लोगों और फएफ्अ-पंजीकृत इमारतों के खरीदारों को परेशानी से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा पात्र इमारतों के ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट के संबंध में भी निर्णय लेने की मांग की गई। बैठक में असीम गुप्ता ने 1,500 एकड़ सरकारी जमीन के विकास के लिए तैयार होने वाली परियोजना में बाढ़ नियंत्रण को प्राथमिकता देने और उसके बाद अन्य प्रस्तावित सुविधाओं को शामिल करते हुए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त एफएसआई मामले में उन्होंने संबंधित प्रस्तावों को वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने किस आधार पर मंजूरी दी, इसकी जांच करने तथा मामले से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित आर्किटेक्ट्स के खिलाफ कार्रवाई और अन्य नगर निकायों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। बैठक में पालघर जिला कलेक्टर इंदु रानी जाखड़, वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कमिश्नर पृथ्वीराज बी.पी., टटपऌअ के अधिकारी तथा मंत्रालय के संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

काई इंडिया का जापान में हैंडक्राफ्टेड शुन सोरा सैंटोकू नाइफ त्योहारों की तैयारी में बनेगा आपके किचन का भरोसेमंद साथी

मुंबई। त्योहारों का मौसम नजदीक है और घरों की रसोइयों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। सब्जियों और अन्य सामग्री को काटने से लेकर रोजमर्रा के खाना बनाने तक, एक अच्छी गुणवत्ता वाला चाकू रसोई के काम को आसान बना सकता है। जापान के प्रमुख किचन और ब्यूटी टूल्स ब्रांड काई की भारतीय इकाई काई इंडिया का शुन सोरा सैंटोकू नाइफ अपनी तेज धार, मजबूती और बेहतर कटिंग क्षमता के लिए जाना जाता है। अपनी बहुउपयोगी क्षमता और उच्च प्रदर्शन के कारण ऐसा चाकू हर आधुनिक रसोई का जरूरी हिस्सा होना चाहिए।

स्लाइसिंग, डाइसिंग और मिंसिंग के लिए डिजाइन किया गया शुन सोरा सैंटोकू नाइफ सब्जियों, फलों, मांस और अन्य सामग्री को बारीक और साफ तरीके से काटने में मदद करता है। ब्लेड पर बने खास इंडेंटेशन कटिंग के दौरान खाद्य सामग्री को आसानी से अलग होने में मदद करते हैं, जिससे चाकू पर सामग्री चिपकने की समस्या कम होती है और तैयारी का काम अधिक सहज हो जाता है। काई इंडिया के हेड ऑफ मार्केटिंग एंड ई-कॉमर्स चंदन बिस्वाल ने कहा, त्योहारों के दौरान रसोई में काम बढ़ जाता है और ऐसे में सही चाकू खाना बनाने की प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बना सकता है। जापान में ब्लेड केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही कारीगरी और सटीकता की परंपरा का हिस्सा है। शुन सोरा सैंटोकू नाइफ इसी विरासत को उपयोगी डिजाइन और आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की काई की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हमारा उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं को ऐसे भरोसेमंद किचन टूल्स उपलब्ध कराना है, जो उनकी रोजमर्रा की जरूरतों में काम आएं। जापान में ब्लेड बनाने की परंपरा का इतिहास काफी पुराना है, जिसकी झलक प्रसिद्ध समुराई तलवारों से लेकर आज की किचन कटलरी तक में दिखाई देती है। 13वीं शताब्दी से सेकी शहर जापान के कटलरी उद्योग का एक प्रमुख केंद्र रहा है और आज भी अपनी ब्लेड-मेकिंग विरासत के लिए जाना जाता है। काई ग्रुप, जो शुन फाइन कटलरी का निमार्ता है, की स्थापना 1908 में सेकी में हुई थी।

मुलुंड के कथित जमीन फजीर्वाड़े में FIR, अब जांच की आंच दूर तक जाने के संकेत

मुंबई। मुलुंड में जमीन के सरकारी रिकॉर्ड से जुड़ा एक पुराना मामला अब अचानक सुर्खियों में आ गया है। वर्ष 2013 और 2015 की कथित विवादित फेरफार प्रविष्टियों तथा उनसे जुड़े दस्तावेजों की जांच के बाद मुलुंड पश्चिम पुलिस थाने में 11 सितंबर 2026 को FIR क्रमांक 1091/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। FIR की प्रति के अनुसार मामला वर्ष 2013 से 2015 के बीच की घटनाओं से संबंधित है और इसमें गंभीर आपराधिक धाराएं लगाई गई हैं। इस पूरे प्रकरण को लेकर महाराष्ट्र के महसूल मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे द्वारा संज्ञान लेकर फजीर्वाड़े की जांच और FIR की कार्रवाई के निर्देश दिए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, बावनकुळे के कार्यकाल में महाराष्ट्र में जमीन और राजस्व रिकॉर्ड से जुड़े कथित अनियमितताओं पर जांच तथा आपराधिक कार्रवाई के कई मामले सामने आए हैं।

मामले में शिकायतकर्ता के रूप में मंडल अधिकारी सागर भीमराव भालेरकर का नाम दर्ज है। FIR में उन्हें सरकारी अधिकारी के रूप में दशार्या गया है। शिकायत में अर्चना भल्ला, मनीष बावा, सुमित बावा, एन. ए. पाटकर तथा तत्कालीन घाटकोपर मंडल अधिकारी को आरोपित किया गया है। FIR के अनुसार इस मामले की पृष्ठभूमि में आशिक अमीरअली मर्चेंट द्वारा लंबे समय से उठाए जा रहे सवाल और शिकायतें भी महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध दस्तावेजों में 25 अगस्त 2025 को मुलुंड पुलिस थाने में शिकायत किए जाने तथा उसके बाद राजस्व प्रशासन और पुलिस के बीच हुए पत्राचार का उल्लेख है। पूरे मामले के केंद्र में फेरफार नोंद क्रमांक 5186 और 5286 हैं। शिकायत में वर्ष 1991 से जुड़े पुराने दस्तावेजी/न्यायिक संदर्भों के आधार पर बाद के वर्षों में राजस्व रिकॉर्ड में की गई प्रविष्टियों पर सवाल उठाए गए हैं। दस्तावेज के अनुसार सर्वे नंबर 1000 और उससे जुड़े प्लॉटों से संबंधित रिकॉर्ड भी जांच का हिस्सा हैं। शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि कुछ ऐसे दस्तावेजों के आधार पर सरकारी रिकॉर्ड में फेरफार कराया गया जिनकी प्रामाणिकता और वैधता पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। इसी कारण अब पुलिस जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उन मूल दस्तावेजों, आवेदनपत्रों, आदेशों और राजस्व फाइलों की पड़ताल होगा, जिनके आधार पर ये प्रविष्टियां की गईं।

जौनपुर की बेटियों ने मंडलीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मारी बाजी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर के निर्देशन में 70वीं मंडलीय माध्यमिक विद्यालय एवं बेसिक विद्यालय की 14 वर्षीय संयुक्त वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन महेंद्र सिंह टेक्निकल इंटर कॉलेज, चंदौली में किया गया। प्रतियोगिता में वाराणसी मंडल की विभिन्न टीमों ने प्रतिभाग किया। बेसिक विद्यालय वर्ग में पूर्व माध्यमिक विद्यालय अटौली, बदलापुर, जौनपुर की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बनारस और गाजीपुर की टीमों को पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जौनपुर की बालिकाओं के शानदार प्रदर्शन से विद्यालय एवं जनपद का नाम मंडल स्तर पर गौरवान्वित हुआ। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय अटौली, बदलापुर की छह बालिकाओं आंचल मौर्य, वर्षा यादव, लक्ष्मी, छोटी देवी, काजल और रोशनी का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। अब ये बालिकाएं प्रयागराज में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में वाराणसी मंडल की ओर से प्रतिभाग करेंगी। बालिका टीम की इस उपलब्धि में ब्लॉक व्यायाम शिक्षक, बदलापुर सुरेश कुमार यादव के अथक प्रयास और मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके प्रयासों से जौनपुर की बालिका टीम लगातार विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों ने चयनित बालिकाओं को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्रद्धालुओं की सुविधा पर नए सीईओ की पहली नजर, काशी विश्वनाथ धाम का गहन निरीक्षण

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम की व्यवस्थाओं की कमान संभालने के बाद नव नियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी सत्यम मिश्र ने मंगलवार को पहली बार पूरे धाम का गहन निरीक्षण किया। प्रवेश द्वार से लेकर निकास मार्ग तक उन्होंने श्रद्धालुओं की आवाजाही, जिग-जैग दर्शन व्यवस्था, कतार प्रबंधन, सुरक्षा और सुविधाओं को करीब से परखा। अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के साथ ही मौके पर आवश्यक सुधार और नियमित निगरानी के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने धाम में श्रद्धालुओं के लिए निर्धारित सभी प्रवेश और निकास मार्गों का जायजा लिया। जिग-जैग व्यवस्था में कतार किस तरह आगे बढ़ रही है, श्रद्धालुओं को

कहीं अनावश्यक इंतजार तो नहीं करना पड़ रहा और भीड़ के दौरान आवागमन सुचारु रखने की क्या व्यवस्था है—इन बिंदुओं पर उन्होंने अधिकारियों से जानकारी ली। सुरक्षा व्यवस्था और सुगम दर्शन की प्रक्रिया को भी उन्होंने विस्तार से समझा। धाम में उपलब्ध शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, विश्राम समेत अन्य श्रद्धालु सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। वृद्ध और जरूरतमंद श्रद्धालुओं के लिए संचालित मुमुक्षु भवन पहुंचकर वहां उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने धाम में हाल में विकसित और वर्तमान में संचालित सुविधाओं के बारे में भी अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। सीईओ ने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि श्री काशी विश्वनाथ धाम में आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के सुरक्षित और सुगम दर्शन कर सके, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रवेश मार्गों और जिग-जैग कतार में प्रभावी भीड़ प्रबंधन के साथ पेयजल व स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं की निरंतर उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने धाम में संचालित सभी श्रद्धालु सुविधाओं की नियमित निगरानी और आवश्यकतानुसार उनमें सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालु सुविधा को केंद्र में रखकर धाम की व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शंभू शरण, उप जिलाधिकारी पवन प्रकाश पाठक समेत मंदिर न्यास एवं विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

त्रिधारा अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला में कलाकारों का सम्मान

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। ललिता ट्रस्ट गोरखपुर एवं राजकीय बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिधारा अंतर्राष्ट्रीय कला कार्यशाला के तीसरे दिन राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष पुष्प दत्त जैन एवं संस्कृति कर्मी-समाजसेवी अचिंत्य लाहिरी रहे। कार्यक्रम में पहली बार स्वर्गीय अन्नपूर्णा देवी स्मृति अंतर्राष्ट्रीय कला सम्मान-2026 उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के निदेशक डॉ. सुदेश शर्मा को प्रदान किया गया। उनकी अनुपस्थिति में यह सम्मान, स्मृति चिह्न, धनराशि का चेक एवं अंगवस्त्र नारायण आर्ट अकादमी के निदेशक डॉ. रवीन्द्र कुशवाहा ने प्राप्त किया। समारोह में सुधा मोदी, डॉ. वी.के. सिंह, डॉ. रोली बिंदल लाठ, श्रीलंका के कलाकार कोपाला पिल्लई माथिसकुमार, सुथर्शन, जगदीश कुमार, श्रीसांथन, डॉ. राधे कृष्ण त्रिपाठी, अजीत वर्मा, मनोज पवार, डॉ. एम.सी. बागोड़ी, डॉ. रवीन्द्र कुशवाहा, डॉ. सुदीप्ता बी. भूषण सहित विभिन्न राज्यों के कलाकारों को मोमेंटो एवं उत्तरीय देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला के सबसे कम उम्र के चार वर्षीय चित्रकार सारांश शिवानील को भी सम्मानित किया गया। वहीं प्रख्यात चित्रकार डॉ. भारत भूषण को नारायण आर्ट अकादमी प्रयागराज के निदेशक रवीन्द्र कुशवाहा द्वारा विश्व कला रत्न सम्मान प्रदान किया गया। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय कैटलॉग बुक एवं प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार श्रीवास्तव ने किया। सम्मान समारोह में सुधा मोदी, डॉ. रोली बिंदल लाठ, अचिंत्य लाहिरी एवं डिप्टी चीफ सिक्योरिटी कमिश्नर सुभाष चौधरी ने विचार व्यक्त किए। आयोजन में सुशील कुमार श्रीवास्तव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में वीरेंद्र गुप्ता ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वसई में गणेशोत्सव की धूम, विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने विभिन्न गणपति मंडलों में किए दर्शन

वसई। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर वसई पश्चिम क्षेत्र में गणेशोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सहपरिवार विभिन्न सार्वजनिक एवं घरेलू गणपति बप्पाओं के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और सभी के सुख-समृद्धि की कामना की।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने पार नाका स्थित वसई राजा सर्वजीवन गणपति बप्पा, जेंडा बाजार में सोमेश्वर मित्र मंडल के सार्वजनिक गणपति, पाटिल परिवार के गणपति तथा संकल्प राउत के निवास पर स्थापित गणपति बप्पा के दर्शन किए। इसके अलावा उन्होंने घाटे अली में श्री गणेश नवतरुण मंडल, हटकर अली में चाफेबुवा मित्र मंडल, सूरतवाला में जागृति मित्र मंडल तथा भंडार अली-पापड़ी में श्रीमती कंचन राउत के घर स्थापित गणपति बप्पा के दर्शन किए। इस दौरान विधायक ने विभिन्न गणेश मंडलों की आकर्षक सजावट, भक्तों की श्रद्धा और उत्साह का अनुभव किया तथा गणेशोत्सव की खुशियों में शामिल हुईं। उन्होंने सभी गणेश भक्तों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और प्रगति के लिए बप्पा के चरणों में प्रार्थना की। गणेश दर्शन के दौरान विभिन्न गणेश मंडलों के पदाधिकारी, सदस्य, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एशियन पेंट्स के आशीष राय का व्यावसायिक क्षेत्र में सम्मान, उपलब्धियों की दी शुभकामनाएं

मुंबई। एशियन पेंट्स में एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट रिटेल सेल्स, मार्केटिंग एवं कमर्शियल पद से जुड़े आशीष राय व्यावसायिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 22 सितंबर 2026 को महाराष्ट्र के वसई स्थित हर गंगे पेंट्स के डीलर गौरी देवी के पुत्र शिवनाथ चौहान को मिठाई एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आशीष राय ने उनसे मुलाकात कर हाथ मिलाया और व्यापार में आगे नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान एशियन पेंट्स से जुड़े सेल्स कारोबारियों एवं व्यापारिक सहयोगियों ने शिवनाथ चौहान का स्वागत किया। इस दौरान व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने और भविष्य में कारोबार को आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने शिवनाथ चौहान के उज्ज्वल भविष्य तथा व्यापार में निरंतर प्रगति की कामना की। आशीष राय की नियुक्ति और उनकी व्यावसायिक भूमिका को लेकर कारोबारी क्षेत्र में विभिन्न चर्चाएं सामने आती रही हैं। कुछ उपलब्ध सूचनाओं में उनकी वार्षिक आय/पगार लगभग 1.34 करोड़ रुपये से अधिक होने का दावा किया गया है। हालांकि, इस वेतन संबंधी आंकड़े की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

ऐसवेक्टर लिमिटेड का इक्विटी शेयरों का आईपीओ 25 सितंबर 2026 को खुलेगा

मुंबई। ऐसवेक्टर लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसके इक्विटी शेयरों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बोली/ऑफर 25 सितंबर 2026 (शुक्रवार) को खुलेगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली की तारीख 24 सितंबर 2026 (बृहस्पतिवार) होगी। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड रु.1 अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए रु. 30 से रु. 32 तय किया गया है।

इस ऑफर में कंपनी द्वारा जारी किए जाने वाले नए इक्विटी शेयरों का निर्गम शामिल है, जिसकी कुल राशि 287 करोड़ रुपये तक होगी। इसे फ्रेश इश्यू कहा गया है। इसके अलावा कंपनी के कुछ मौजूदा शेयरधारक 4,15,62,500 इक्विटी शेयर तक की बिक्री पेशकश (ऑफर फॉर सेल) करेंगे। कंपनी फ्रेश इश्यू से प्राप्त शुद्ध राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से निम्न उद्देश्यों के लिए करेगीः 1. कंपनी के मार्केटप्लेस कारोबार के मार्केटिंग और बिजनेस प्रमोशन खर्च के एक हिस्से को पूरा करना। 2. मार्केटप्लेस कारोबार से जुड़े टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत को पूरा करना। 3. अधिग्रहण के जरिए गैर-जैविक वृद्धि और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए धन उपलब्ध कराना।

पर्सनल सेलिंग प्रश्नावली में केनेथ स्टुअर्ट ग्लास 13,20,799 शेयर तक, जेसन अशोक कोठारी 11,11,680 शेयर तक, लॉरेंट बर्नार्ड अमौयल 2,24,786 शेयर तक, मीशा कोहली 2,15,280 शेयर तक, राधिका गुप्ता 53,840 शेयर तक और नलिन लुइस मोनिज 53,840 शेयर तक शेयर बेचेंगे। एंकर निवेशकों के लिए बोली 24 सितंबर 2026 (गुरुवार) को खुलेगी और उसी दिन बंद होगी। आम निवेशकों के लिए बोली 25 सितंबर 2026 को खुलेगी और 29 सितंबर 2026 को बंद होगी।

ऑफर का प्राइस बैंड 30 से 32 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। निवेशक न्यूनतम 468 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे और इसके बाद 468 शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकेगी।

यह आईपीओ बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाया जा रहा है। सेबी के नियमों के अनुसार, ऑफर का कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी, बुक रनिंग लीड मैनेजरों के साथ परामर्श करके, क्यूआईबी हिस्से के 60 प्रतिशत तक शेयर एंकर निवेशकों को अपने विवेक के आधार पर आवंटित कर सकती है। 33.33 प्रतिशत घरेलू म्यूचुअल फंड और 6.67 प्रतिशत जीवन बीमा कंपनियों तथा पेंशन फंडों के लिए आरक्षित रहेगा। यदि जीवन बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों के लिए आरक्षित हिस्से में कम बोली आती है, तो वैध बोली मिलने की स्थिति में शेष शेयर घरेलू म्यूचुअल फंडों को आवंटित किए जा सकते हैं। एंकर निवेशक हिस्से में कम बोली या आवंटन नहीं होने की स्थिति में बचे शेयर नेट क्यूआईबी हिस्से में जोड़ दिए जाएंगे। नेट क्यूआईबी हिस्से का 5 प्रतिशत हिस्सा केवल म्यूचुअल फंडों को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते ऑफर प्राइस या उससे अधिक पर वैध बोलियां प्राप्त हों।

शिवसेना पदाधिकारी सत्यप्रकाश मिश्रा ने वसई बस डेपो का किया निरीक्षण

वसई। शिवसेना कामगार सेना, पालघर जिला उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश मिश्रा ने वसई स्टेशन पश्चिम स्थित बस डेपो का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान यात्रियों को होने वाली परेशानियों सहित बसों की पार्किंग, यात्री प्रतीक्षास्थल और डेपो परिसर में स्वच्छता से जुड़े विभिन्न मुद्दे सामने आने की बात मिश्रा ने कही। मिश्रा के अनुसार, निर्धारित स्थान पर बसें नहीं आने के कारण कई बार यात्री बस का इंतजार करते रहते हैं और बस अचानक वहां से रवाना हो जाती है। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सवाल उठाया कि पर्याप्त जगह उपलब्ध होने के बावजूद बसों को निर्धारित और उचित स्थान पर व्यवस्थित तरीके से क्यों नहीं खड़ा किया जाता।

निरीक्षण के दौरान डेपो परिसर में युवाओं के लंबे समय तक मौजूद रहने और वहां की निगरानी एवं व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए गए। मिश्रा ने कहा कि डेपो प्रशासन को यात्रियों की सुविधा और परिसर की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके अलावा बस डेपो के अंदर पार्किंग व्यवस्था की वैधता को लेकर भी मिश्रा ने सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। वहीं, डेपो के पीछे खाली जगह में बड़ी मात्रा में कचरा जमा होने की बात भी निरीक्षण के दौरान सामने आई। यह कचरा वहां कौन डाल रहा है और इसकी नियमित सफाई क्यों नहीं हो रही है, इस पर भी उन्होंने सवाल उठाया। सत्यप्रकाश मिश्रा ने कहा कि यात्रियों की सुविधा, बसों की उचित पार्किंग, स्वच्छता और डेपो परिसर की निगरानी जैसी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन की है। उन्होंने मांग की कि इन समस्याओं का तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक सुधार किए जाएं, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। इस निरीक्षण के दौरान स्वतंत्र पाठक, कुणाल माने और पीयूष कामदार ने भी सहयोग किया तथा डेपो परिसर में दिखाई दे रही विभिन्न अव्यवस्थाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। मिश्रा ने संबंधित डेपो प्रशासन से यात्रियों की समस्याओं का समाधान करने और बस संचालन एवं पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने की मांग की है।

व्यूसोनिक ने नए प्रो एवी और गूगल टीवी सॉल्यूशंस पेश किए

मुंबई। विजुअल और एडटेक सॉल्यूशंस क्षेत्र की प्रमुख वैश्विक कंपनी, व्यूसोनिक कॉर्प ने 'इन्फोकॉम इंडिया 2026' में अपने विस्तारित प्रो एवी पोर्टफोलियो का प्रदर्शन किया। इसमें डायरेक्ट व्यू एलईडी, इंटरैक्टिव डिस्प्ले, प्रोफेशनल मॉनिटर्स, कमर्शियल डिस्प्ले, ओपन-फ्रेम सॉल्यूशंस, प्रोजेक्शन और स्मार्ट डिस्प्ले शामिल हैं। एलईडी डिस्प्ले श्रेणी में व्यूसोनिक भारत में सबसे तेजी से बढ़ते ब्रांड्स में से एक बनकर उभरा है। कंपनी ने सालाना आधार पर 2 गुना से अधिक (2) की वृद्धि दर्ज की है, जो भारतीय बाजार में इसके सॉल्यूशंस की बढ़ती मांग को दशार्ती है। इसका प्रो एवी पोर्टफोलियो स्मार्ट सिटी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स, बोर्डरूम, प्रोफेशनल वर्कस्पेस, रिटेल स्पेस, ट्रेनिंग रूम और बड़े आयोजनों जैसे विविध परिवेशों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। व्यूसोनिक इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, मुनीर अहमद ने कहा, भारत में व्यूसोनिक की उपस्थिति और हमारे सॉल्यूशंस के दायरे, दोनों में ही उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज हमारा पोर्टफोलियो एलईडी, कोलैबरेशन, कमर्शियल डिस्प्ले, प्रोफेशनल मॉनिटर्स, प्रोजेक्शन और स्मार्ट डिस्प्ले सॉल्यूशंस तक फैला हुआ है। हमारा मुख्य उद्देश्य ग्राहकों और पार्टनर्स को उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार सही तकनीक उपलब्ध कराना है, साथ ही इसके क्रियान्वयन और प्रबंधन को अधिक सरल बनाना है।

पूजा के दौरान आधार कार्ड मांगने पर हुआ विवाद, चली गोली, महिला सहित तीन की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। अहरौला थाना क्षेत्र के शंभूपुर गांव में मंगलवार शाम पूजा के दौरान हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। आरोप है कि बाजार से घर पहुंचे अरविंद सिंह का पूजा करा रहे पंडितों से आधार कार्ड मांगने को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान अरविंद ने घर में रखी पिस्टल से फायरिंग कर दी। गोली लगने से उसकी पत्नी बबीता समेत दो पंडितों की मौत हो गई। मृतकों में पंडित महेंद्र पाठक और एक अन्य पंडित शामिल बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम अरविंद सिंह के घर में पूजा चल रही थी। घर में चार पंडित, अरविंद की पत्नी बबीता, एक बेटा और एक बेटी मौजूद थे। शाम करीब छह बजे अरविंद बाजार से घर पहुंचा। घर में पूजा होते देखकर उसने पंडितों से जानकारी ली। इसके बाद उसने पंडितों से आधार कार्ड मांगना शुरू कर दिया। इसी बात को लेकर उनके बीच बहस होने लगी। आरोप है कि विवाद के दौरान अरविंद ने पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी। गोली लगने से उसकी पत्नी बबीता और दो पंडित घायल हो गए। बाद में तीनों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी में राइफल से भी एक गोली चलाए जाने की बात सामने आ रही है। फायरिंग होते ही पूजा में शामिल अन्य पंडित मौके से भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने हथियार समेत फायरिंग से जुड़े साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। घटना के कारणों और मौतों की आधिकारिक स्थिति पुलिस जांच तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगी।

इकवो अपने बेड़े में शामिल करेगा 10,000 वाहन

मुंबई। बाइकवो ग्रीन टेक लिमिटेड वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान अपने ऑपरेटिंग बेड़े को लगभग 10,000 वाहनों तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसके लिए कंपनी को 76 करोड़ से अधिक के वारंट के माध्यम से प्रिफरेंशियल इश्यू द्वारा फंड मिलेगा। यह विस्तार इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन से आगे बढ़कर ईवी एसेट ओनरशिप एवं लीजिंग, फ्लीट डिप्लॉयमेंट, विशेष मोबिलिटी एप्लीकेशंस, ऑपरेटिंग पार्टनरशिप, लाइफसाइकिल सपोर्ट और टेक-आधारित लॉजिस्टिक्स की दिशा में कंपनी के बड़े बदलाव को दशार्ता है। बाइकवो अपने इस अगले चरण को 'बाइकवो असेंड' का नाम दे रही है। इस बदलाव के तहत शुरूआती पड़ाव रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बायो एनर्जी डिवीजन के साथ हुआ एक बड़ा करार है, जिसके तहत विशेष इलेक्ट्रिक ट्रैक्टरों की हायरिंग और डिप्लॉयमेंट की जाएगी। जीएसटी सहित इन कॉन्ट्रैक्ट्स की कुल अनुमानित वैल्यू लगभग ?66.46 करोड़ है, और इसकी वैलिडिटी जुलाई 2033 तक है। ये ट्रैक्टर विशेष लोडर, कैचर और ग्रैबर एप्लीकेशंस से लैस हैं, साथ ही कंपनी इनके लिए ड्राइवर और व्हीकल-ऑपरेशन सेवाएं भी प्रदान करेगी। यह तैनाती इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बायो-एनर्जी और बायोमास-हैंडलिंग ऑपरेशंस के क्षेत्र में लेकर जाती है, जो कि विशेष औद्योगिक वातावरण में उभरता हुआ एक नया सेक्टर है।

डीसीएम में लदा 8 से 10 लाख का अवैध पटाखा बरामद, आठ पर मुकदमा

बलरामपुर। अवैध पटाखों की बिक्री, भंडारण एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली उतरौला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने डीसीएम में लदा भारी मात्रा में अवैध पटाखा बरामद किया है। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत करीब 8 से 10 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, 21 सितंबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि डीसीएम संख्या UP32GN1872 में अवैध पटाखे लादकर महदेइया होते हुए बाबागंज, जनपद गोंडा ले जाए जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने महदेइया बाजार से पहले नहर पुलिया के पास डीसीएम को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में लदे 75 गत्तों में विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर कोतवाली उतरौला में मु0अ0सं0 130/2026, धारा 288 बीएनएस एवं 9बी विस्फोटक अधिनियम, 1884 के तहत आठ नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने वाहन को धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर थाना परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा करा दिया है। पुलिस के मुताबिक अवैध एवं अनाधिकृत पटाखों के परिवहन में शामिल अन्य लोगों की भी पतारसी और सुरागरसी की जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बलरामपुर मार्तंड प्रकाश सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय एवं क्षेत्राधिकारी उतरौला डॉ. जितेंद्र कुमार के कुशल पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उतरौला अवधेश राज सिंह के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी एवं बरामदगी टीम में उपनिरीक्षक शिवकैलाश, उपनिरीक्षक हीरालाल, हेड कांस्टेबल रणवीर गौतम, हेड कांस्टेबल ओंकार सिंह, कांस्टेबल अनुभव सिंह एवं कांस्टेबल धीरेन्द पटेल शामिल रहे।

ओरिएंट केबल्स इंडिया लिमिटेड 5,520 मिलियन रुपये का आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा

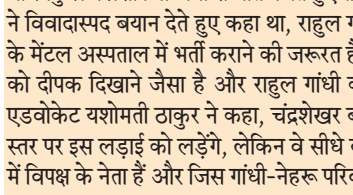

नई दिल्ली। ओरिएंट केबल्स इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम आईपीओ शुक्रवार 25 सितंबर 2026 को खुलेगा और मंगलवार 29 सितंबर 2026 को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली की अवधि गुरुवार, 24 सितंबर 2026 को होगी। कंपनी ने आईपीओ के लिए 258 से 272 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। प्रत्येक शेयर का फेस वैल्यू 1 रुपये है। कुल 5,520.00 मिलियन रुपये 552 करोड़ रुपये के इस इश्यू में कंपनी की ओर से 3,200.00 मिलियन रुपये 320 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा कुछ मौजूदा शेयरधारकों की ओर से 2,320.00 मिलियन रुपये 232 करोड़ रुपये तक के शेयर ऑफर फॉर सेल ओएफएस के तहत बेचे जाएंगे। ऑफर फॉर सेल में विपुल नागपाल 672.00 मिलियन रुपये तकए गरिमा नागपाल 157.00 मिलियन रुपये तकए विपुल फैमिली ट्रस्ट 520.00 मिलियन रुपये तक और गरिमा फैमिली ट्रस्ट 971.00 मिलियन रुपये तक के शेयर बेचेंगे। कंपनी के मुताबिक नए शेयरों से प्राप्त 3,200.00 मिलियन रुपये की अनुमानित शुद्ध राशि का इस्तेमाल कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं में मशीनरीए उपकरण और सिविल वर्क्स की खरीद पर पूंजीगत खर्च की जरूरतों को पूरा करनेए कंपनी के कुछ मौजूदा कर्ज के पूरे या आंशिक भुगतानध्प्री.पेमेंट और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। नेट क्यूआईबी हिस्से का 5: हिस्सा केवल म्यूचुअल फंडों के लिए आनुपातिक आधार पर उपलब्ध होगा। बाकी हिस्सा सभी पात्र क्यूआईबी बोलीदाताओं, जिनमें म्यूचुअल फंड भी शामिल हैं, के लिए उपलब्ध होगा। यदि म्यूचुअल फंडों की मांग निर्धारित 5: हिस्से से कम रहती है, तो बचा हुआ हिस्सा अन्य क्यूआईबी के लिए उपलब्ध नेट क्यूआईबी हिस्से में जोड़ दिया जाएगा।

जुबान पर लगाम रखें, वरना मुकाबला कांग्रेस से है! चंद्रशेखर बावनकुले के बयान पर एडवोकेट यशोमती ठाकुर का जोरदार पलटवार

अमरावती। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर राज्य के राजस्व मंत्री तथा अमरावती जिले के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले द्वारा की गई निम्नस्तरीय टिप्पणी का कांग्रेस की पूर्व मंत्री तथा विधायक एडवोकेट यशोमती ठाकुर ने तीखे शब्दों में जवाब दिया है। उन्होंने कड़ा चेतावनी देते हुए कहा, बावनकुले साहब, जरा अपनी जुबान पर लगाम लगाइए। दोबारा ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया तो आपका सामना सच्चे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से होगा। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने प्रसार माध्यमों से बात करते हुए राहुल गांधी पर बेहद निम्न स्तर पर जाकर व्यक्तिगत टिप्पणी की थी। बावनकुले ने विवादास्पद बयान देते हुए कहा था, राहुल गांधी सठिया गए हैं, उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है और उन्हें नागपुर के मेंटल अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करना सूर्य को दीपक दिखाने जैसा है और राहुल गांधी को देश ने नकार दिया है। बावनकुले के इस बयान पर पलटवार करते हुए एडवोकेट यशोमती ठाकुर ने कहा, चंद्रशेखर बावनकुले एक गंभीर राजनीतिक नेता हैं और मुझे उम्मीद थी कि वे वैचारिक स्तर पर इस लड़ाई को लड़ेंगे, लेकिन वे सीधे व्यक्तिगत स्तर पर उतरकर बयानबाजी कर रहे हैं। राहुल गांधी देश की संसद में विपक्ष के नेता हैं और जिस गांधी-नेहरू परिवार ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, वे उस परिवार के प्रतिनिधि हैं।

इंदौर सुदामा नगर स्थित गुरुकृपा अपार्टमेंट फ्लैट नंबर 203 में दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के आवास पर विराजमान गणपति बप्पा का दर्शन करने पहुंचे इंदौर हाईकोर्ट के अधिवक्ता श्री संतोष मुंशी ने लिया आशीर्वाद। प्रेम चंद मिश्रा ने किया अभिवादन छाया : चित्र उत्तर शक्ति